- 19th Year
- Issue: 194
- 15.11.2025 (SATURDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

गमछा घुमाकर पीएम मोदी ने किया भीड़ का अभिवादन, बोले-बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया, अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार

नयी दिल्ली १४/११ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार चुनाव 2025 में एनडीए की जीत पार्टी और जनता द्वारा एनडीए सरकार के प्रति समर्थन का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत बिहार की जनता द्वारा एनडीए को दिए गए ऐतिहासिक जनादेश को स्वीकार करते हुए की और कहा, बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। महागठबंधन पर तंज कसते हुए उन्होंने राज्य को आश्वासन दिया कि कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी और राज्य भविष्य में अभूतपूर्व विकास देखेगा।

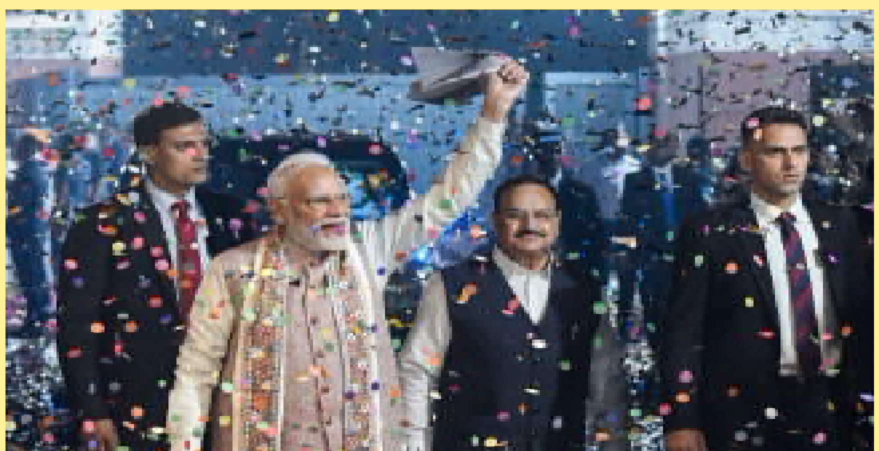

मोदी ने कहा कि हम ह्ष्ठ के लोग, हम तो जनता जनार्दन के सेवक हैं। हम अपनी मेहनत से जनता का दिल खुश करते रहते हैं, और हम तो जनता जनार्दन का दिल चुरा कर बैठे हुए हैं, इसलिए आज बिहार ने बता दिया है — फिर एक बाद ह्ष्ठ सरकार। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित बिहार के लिए मतदान किया है। बिहार के लोगों ने समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान, बिहार की जनता से रिकॉर्ड वोटिंग का आग्रह किया था और बिहार के लोगों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। मैंने बिहार के लोगों से एनडीए को प्रचंड विजय दिलाने का आग्रह किया था, बिहार की जनता ने मेरा ये आग्रह भी माना।मोदी ने कहा कि बिहार के चुनाव में जब मैं जंगलराज की बात करता था, कट्टा सरकार की बात करता था तो ऋछ्वष्ठ के लोग विरोध नहीं करते थे लेकिन कांग्रेस को बहुत चुभता था लेकिन आज मैं फिर कहता हूं कि %अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार%। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित बिहार के लिए मतदान किया है। बिहार के लोगों ने समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान बिहार की जनता से रिकॉर्ड मतदान के लिए आग्रह किया था और बिहार के लोगों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, मैंने बिहार के लोगों से ह्ष्ठ को प्रचंड विजय दिलाने का आग्रह किया था, बिहार की जनता ने मेरा ये आग्रह भी माना। बिहार ने 2010 के बाद का सबसे बड़ा जनादेश एनडीए को दिया है। मैं बहुत विनम्रता से एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार की महान जनता का आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार ने 2010 के बाद का सबसे बड़ा जनादेश एनडीए को दिया है। मैं बहुत विनम्रता से एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार की महान जनता का आभार व्यक्त करता हूं। मैं बिहार की महान जनता को आदरपूर्वक नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि बिहार में कुछ दलों ने तुष्टिकरण वाला MY Formula बनाया था। लेकिन आज की जीत ने एक नया सकारात्मक MY Formula दिया है, और ये है — महिला और यूथ।

उन्होंने कहा कि आज बिहार, देश के उन राज्यों में है, जहां सबसे ज्यादा युवाओं की सं या है, और इनमें हर धर्म और हर जाति के युवा शामिल हैं।

एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार जीत दर्ज की

एनडीए को मिली सीटों से नीतीश गदगद, नरेंद्र मोदी का जताया आभार, बोले-विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा बिहार

पटना १४/११ (संवाददाता): राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बिहार में सत्ता बरकरार रखने के लिए तैयार है, जहां विधानसभा चुनाव दो चरणों में - 6 नवंबर और 11 नवंबर को हुए थे। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन 200 से अधिक सीटों पर आगे चल रहा है, जबकि महागठबंधन लगभग 36 सीटों पर आगे है। इसको लेकर एनडीए उत्साहित है। वहीं, मु यमंत्री नीतीश कुमार ने इसको लेकर ट्वीट किया है और जनता का आभार जताया है। नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा कि बिहार विधान सभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति

विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी स मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। उन्होंने आगे लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उनसे मिले सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद।नीतीश ने कहा कि एनडीए गठबंधन ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए भारी बहुमत हासिल किया है। इस भारी जीत के लिए एनडीए गठबंधन के सभी साथियों- चिराग पासवान, जीतन राम मांझी एवं उपेन्द्र कुशवाहा को भी धन्यवाद एवं आभार। आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा तथा बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा। एनडीए की प्रचंड जीत पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि सबसे पहले मैं बिहार की महान जनता को विशेष धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूँ, जिन्होंने बिहार को विकास के पथ पर गति देने की सोच के साथ एनडीए को प्रचंड बहुमत देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। बिहार और बिहारियों में सही समय पर सही फैसला लेने की बुद्धि और क्षमता है। इस एक जवाब ने कई सवालों पर पूर्ण विराम लगा दिया है। चिराग पासवान ने कहा कि जो लोग सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य, एनडीए के पिछले दो दशकों के कार्यकाल, पहले जंगलराज के अस्तित्व, मेरे प्रधानमंत्री बिहार को कितनी प्राथमिकता देते हैं और गठबंधन में मेरी भूमिका पर सवाल उठा रहे थे, इस परिणाम ने इन सभी सवालों का करारा जवाब दे दिया है... अगर 2020 में पांच दलों का यह एकजुट एनडीए होता, तो यह भी उतना ही शानदार प्रदर्शन करता। उन्होंने कहा कि एक तरफ़ हमने एकजुट एनडीए की ताकत देखी, वहीं दूसरी तरफ़, राजद के अहंकार की पराकाष्ठा देखिए कि अभी जनादेश भी पूरा घोषित नहीं हुआ है और वो कह रहे हैं कि 18 नवंबर को शपथ लेंगे। जब महत्वाकांक्षा अहंकार का रूप ले लेती है, तो यही नतीजा होता है।

जंगलराज वालों ने जनता के बीच अपनी औकात देख ली-चिराग पासवान

१४/११ (संवाददाता): बिहार में चिराग पासवान का राजनीतिक ग्राफ तेज़ी से ऊपर की ओर बढ़ रहा है। 2020 के विधानसभा चुनावों के बाद एक मामूली व्यवधानकारी नेता के रूप में खारिज किए गए लोजपा (रामविलास) प्रमुख अब खुद को एनडीए के सत्ता समीकरण के केंद्र में पाते हैं, 2025 के चुनावों में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित है। एनडीए की प्रचंड जीत पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि सबसे पहले मैं बिहार की महान जनता को विशेष धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूँ, जिन्होंने बिहार को विकास के पथ पर गति देने की सोच के साथ एनडीए को प्रचंड बहुमत देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। बिहार और बिहारियों में सही समय पर सही फैसला लेने की बुद्धि और क्षमता है। इस एक जवाब ने कई सवालों पर पूर्ण विराम लगा दिया है।

चिराग पासवान ने कहा कि जो लोग सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य, एनडीए के पिछले दो दशकों के कार्यकाल, पहले जंगलराज के अस्तित्व, मेरे प्रधानमंत्री बिहार को कितनी प्राथमिकता देते हैं और गठबंधन में मेरी भूमिका पर सवाल उठा रहे थे, इस परिणाम ने इन सभी सवालों का करारा जवाब दे दिया है... अगर 2020 में पांच दलों का यह एकजुट एनडीए होता, तो यह भी उतना ही शानदार प्रदर्शन करता। उन्होंने कहा कि एक तरफ़ हमने एकजुट एनडीए की ताकत देखी, वहीं दूसरी तरफ़, राजद के अहंकार की पराकाष्ठा देखिए कि अभी जनादेश भी पूरा घोषित नहीं हुआ है और वो कह रहे हैं कि 18 नवंबर को शपथ लेंगे। जब महत्वाकांक्षा अहंकार का रूप ले लेती है, तो यही नतीजा होता है।

पासवान ने कहा कि जब कोई मुझ पर उंगली उठा रहा था, एनडीए की हार के लिए मुझे ज़ि मेदार ठहरा रहा था, उस समय राजद अपनी क्षमता की वजह से नहीं, बल्कि एनडीए की खस्ता हालत की वजह से जीत रहा था। अगर उस समय एनडीए एकजुट होता, तो राजद 25 सीटें भी पार नहीं कर पाती... जंगलराज वालों ने बिहार की जनता के बीच अपनी औकात देख ली है। उन्होंने कहा कि इस बार भी, एग्जिट पोल पर उंगली उठाए बिना, मुझे किसी के सर्वे पर नहीं, खुद पर भरोसा था... स्ट्राइक रेट पर कई तंज देखे हैं। लेकिन गठबंधन का स्ट्राइक रेट शानदार रहा है... मुझे कम आंकने की भूल करने वालों को बिहार की जनता ने करारा जवाब दिया है... नीतीश कुमार एक बार फिर मु यमंत्री बनेंगे। मुझे इस पर पूरा भरोसा है।

पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' की जीत, देश का मूड है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण अनिवार्य-शाह

नयी दिल्ली १४/११ (संवाददाता): गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचंड जीत की ओर बढ़ने को 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' (काम की राजनीति) और 'विकसित बिहार' में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत करार देते हुए कहा कि इस राज्य की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति के लिये कोई जगह नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के लोगों ने जिस आशा और विश्वास के साथ राजग को जनादेश दिया है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी। उन्होंने कहा, ''ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक 'बिहार भूमि' की जनता को कोटि-कोटि नमन। बिहार वासियों द्वारा राजग को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की राजग की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। शाह ने कहा,

'' पिछले 11 वर्ष में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया। यह जनादेश 'विकसित बिहार' के संकल्प के लिए है। शाह ने कहा, ''बिहारवासियों का एक-एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है।' उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति के लिये कोई जगह नहीं है। शाह ने कहा, ''इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है। उन्होंने चुनाव नतीजों को लेकर कहा कि यह 'विकसित बिहार' में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने इस बात पर जोर दिया, ''जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएं, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा। जनता अब सिर्फ और सिर्फ 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' (काम की राजनीति) के आधार पर जनादेश देती है। नरेन्द्र मोदी जी और नीतीश कुमार जी व राजग के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। साथ ही, अपने अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन करता हूं।''

विकास का मार्ग चुनने के लिए बिहार की जनता को बधाई-रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली १४/११ (संवाददाता): दिल्ली की मु यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना में राजग के बड़ी जीत की ओर बढ़ने के मद्देनजर राज्य के लोगों को विकास का रास्ता चुनने के लिए बधाई दी। एक कार्यक्रम में मु यमंत्री ने कहा कि दिल्ली और बिहार आपस में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली और बिहार के लोगों को बधाई। रुझान बता रहे हैं कि राजग जीत की ओर बढ़ रहा है... मुझे उ मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य ने विकास का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने के लिए बिहार के लोगों को मेरी ओर से शुभकामनाएं। गुप्ता भाजपा शासित 14 राज्यों में एकमात्र महिला मु यमंत्री हैं। उन्होंने भाजपा उ मीदवारों के प्रचार के लिए राज्य का कई बार दौरा किया था।

बिहार में नहीं चला प्रशांत किशोर का जादू

पटना १४/११ (संवाददाता): बिहार चुनाव में एक्स फैक्टर कही जा रही प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (जेएसपी) 243 सदस्यीय विधानसभा में अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाई है। पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार द्वारा गठित यह पार्टी, बेरोज़गारी, पलायन और उद्योगों की कमी जैसे ज्वलंत मुद्दों को ज़ोरदार प्रचार अभियान के बावजूद, अपने पक्ष में वोट जुटाने में विफल रही। प्रशांत किशोर ने तीन साल तक बिहार का दौरा किया और अपनी जन सुराज पार्टी को राज्य की जड़ जमाए जाति-आधारित राजनीति के विकल्प के रूप में पेश किया।

प्रशांत किशोर ने सही भविष्यवाणी की थी—उनका जन सुराज या तो अर्श पर होगा या फर्श पर। उनकी पार्टी के लिए कोई मध्य बिंदु नहीं होगा। पीके और उनके जन सुराज के लिए अभी फर्श सबसे अच्छी जगह है। हालांकि, प्रशांत

किशोर के रोड शो और रैलियों में भारी भीड़ उमड़ी। फिर भी, उनकी पार्टी खाता भी नहीं खोल पाई। क्यों? ये रहे पाँच कारण-

संगठन रहित महत्वाकांक्षा- प्रशांत किशोर के जन सुराज अभियान ने चर्चा तो बटोरी, लेकिन बिहार की अन्य पार्टियों की तरह बूथ स्तर पर मज़बूत ढाँचा विकसित नहीं कर पाया। विश्लेषकों का कहना है कि बिहार में जीत के लिए सूक्ष्म स्तर पर जातीय नेटवर्क, स्थानीय निष्ठाएँ और कार्यकर्ताओं की निरंतर लामबंदी ज़रूरी है। लेकिन किशोर के आंदोलन में संगठनात्मक मज़बूती के बिना उत्साह दिखा। 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा और बड़ी सभाओं ने प्रशांत और उनकी पार्टी के लिए पहचान बनाई। हालाँकि, यह पहचान ज़रूरी नहीं कि वोटों में तब्दील हो। ज़ाहिर है, भाषणों में उमड़ी भारी भीड़ प्रतिबद्ध मतदाताओं में तब्दील नहीं हुई।

जल्दबाज़ी-जन सुराज के पास सिर्फ़ एक ही नेता था - प्रशांत किशोर। पार्टी का अभियान शीर्ष स्तर पर ही केंद्रित रहा, मध्यम स्तर के नेताओं का अभाव था। ज़मीनी स्तर पर, लोग शायद सिर्फ़ एक ही नाम से परिचित थे।नीरस संदेश-प्रशांत किशोर का बार-बार दोहराया जाने वाला संदेश—कि बिहार को एक नए राजनीतिक विकल्प की ज़रूरत है—शुरू में तो ज़ोरदार था, लेकिन अंततः दोहराव वाला हो गया। ज़मीनी स्तर पर मतदाताओं ने पूछा कि उनके पास घोषणापत्र क्यों नहीं है, वे कैसे अलग दिखेंगे, और जिनके साथ वे गठबंधन करेंगे, उनके पास घोषणापत्र है। जैसा कि एक विश्लेषक ने कहा, किशोर के रोड शो में शामिल होने आए कई लोग किसी और को वोट देंगे।

भ्रांतियाँ ढेर-प्रशांत किशोर ने अपने पूरे चुनाव प्रचार में विकास का राग अलापा। लेकिन बिहार का चुनावी गणित अभी भी काफी हद तक पहचान और जातिगत एकजुटता पर टिका है। जन सुराज में प्रति-पहचान गठबंधन का अभाव था।प्रशांत किशोर ने चुनाव नहीं लड़ा- कई लोगों ने सवाल पूछा कि किशोर ने चुनाव क्यों नहीं लड़ा। क्या इसलिए कि उनमें आत्मविश्वास की कमी थी? इससे अस्पष्टता पैदा हुई और कई समर्थक असमंजस में पड़ गए।

विविध समाचार

हमारा विजन देख जनता ने बहुमत दिया, एनडीए की जीत पर बोले मोदी, बढ़-चढ़कर करेंगे काम

नयी दिल्ली १४/११ (संवाददाता): भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार जीत दर्ज की। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक पर प्रभावशाली बढ़त हासिल की। साथ ही नवीनतम रुझानों से यह भी संकेत मिला कि भगवा पार्टी शानदार स्ट्राइक रेट के साथ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने की राह पर है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन-कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है।

मोदी ने आगे लिखा कि बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें जनता-जनार्दन की सेवा करने और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा। उन्होंने लिखा कि एनडीए ने राज्य का चौतरफा विकास किया है। लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है। मैं मु यमंत्री नीतीश कुमार जी और एनडीए परिवार के हमारे सहयोगी चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी जी और उपेंद्र कुशवाहा जी को इस जबरदस्त जीत के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने लिखा कि मैं एनडीए के प्रत्येक कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। उन्होंने जनता के बीच जाकर हमारे विकास के एजेंडे को सामने रखा और विपक्ष के हर झूठ का मजबूती से जवाब दिया। मैं उनकी हृदय से सराहना करता हूं! उन्होंने वादा किया कि आने वाले समय में हम बिहार के विकास, यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और राज्य की संस्कृति को नई पहचान देने के लिए बढ़-चढ़कर काम करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां की युवा शक्ति और नारी शक्ति को समृद्ध जीवन के लिए भरपूर अवसर मिले।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की भव्य और अभूतपूर्व विजय ने बिहार प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के चुनावी इतिहास में एक सुनहरा अध्याय लिख दिया है। यह विकास की राजनीति की एक ऐतिहासिक जीत है। इस बार के चुनावों में एनडीए को मिलने वाला तीन चौथाई बहुमत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व, उनकी विश्वसनीयता तथा सुशासन और विकास की राजनीति में जनता के अटूट भरोसे का प्रमाण है। प्रधानमंत्रीजी को इस महाविजय की बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ। बिहार की जनता ने जो ऐतिहासिक जनादेश एनडीए को दिया है, उसके लिए मैं उनका अभिनंदन करता हूँ। यह जनादेश हमें और अधिक निष्ठा, सेवा-भाव और दृढ़ संकल्प के साथ बिहार की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने लिखा कि एनडीए गठबंधन की प्रचंड विजय में प्रदेश के मु यमंत्री नीतीश कुमार जी के अनुभवी नेतृत्व और उनकी प्रशासनिक दक्षता का भी पूरा योगदान है। इस जीत पर मैं भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई देता हूँ, जिन्होंने अपने परिश्रम और समर्पण से इस बड़ी जीत को हासिल किया है।

बिहार की जीत हमारी, अब बंगाल की बारी! सुवेंदु अधिकारी ने ममता को दी खुली चुनौती

कोलकाता १४/११ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को बिहार चुनावों में राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन के निर्णायक प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, एक ही नारा है- बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी है। राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन 2025 के बिहार चुनावों में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने के लिए तैयार है, क्योंकि इसने नवीनतम रुझानों में 200 का आंकड़ा पार कर लिया है।

शुवेंदु अधिकारी ने एएनआई को बताया, 卐एक ही नारा है- बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी है। वर्तमान रुझानों में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला एनडीए कुल 202 सीटों पर आगे चल रहा है, जिसमें भाजपा 91, जेडीयू 80, एलजेपी 22, हम 5 और आरएलएम 4 सीटों पर आगे है। यह जानकारी चुनाव आयोग के दोपहर 01:40 बजे के

आंकड़ों से मिली। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राजद 26 सीटों पर, कांग्रेस 4 पर, भाकपा (माले) 4 पर और माकपा 1-1 सीट पर आगे है। इस तरह कुल सीटों की सं या 35 हो गई है। इसके अलावा, बसपा एक सीट पर और एआईएमआईएम पांच सीटों पर आगे है।

लगभग दो दशकों से राज्य पर शासन कर रहे नीतीश कुमार के लिए, इस चुनाव को व्यापक रूप से राजनीतिक सहनशक्ति और जनता के विश्वास, दोनों की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। बिहार को अक्सर जंगल राज कहे जाने वाले साये से बाहर निकालने के लिए कभी सुशासन बाबू कहे जाने वाले मु यमंत्री को हाल के वर्षों में मतदाताओं की थकान और अपने बदलते राजनीतिक समीकरणों पर सवालों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद, मौजूदा रुझान ज़मीनी स्तर पर एक उल्लेखनीय बदलाव दर्शाते हैं, जो दर्शाता है कि मतदाता एक बार फिर उनके शासन मॉडल में विश्वास जता रहे हैं।

एक आत्मविश्वास से भरे, समन्वित भाजपा-जद(यू) गठबंधन की वापसी ने इस बार चुनावी रणभूमि को काफी हद तक नया रूप दिया है। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी नीतीश कुमार के साथ मजबूती से खड़े रहे, जिससे गठबंधन ने एकजुट और पुनर्जीवित मोर्चा पेश किया, जिसमें कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विस्तार, सामाजिक योजनाओं और प्रशासनिक स्थिरता पर जोर दिया गया।

हर कश्मीरी आतंकी नहीं, कुछ ही लोग गुमराह-सीएम उमर

श्रीनगर १४/११ (संवाददाता): ज मू-कश्मीर के मु यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट की निंदा की, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए थे। साथ ही, उन्होंने ज मू-कश्मीर के लोगों द्वारा अपनाए गए शांति और भाईचारे के आदर्शों की भी पुष्टि की। दिल्ली में कथित आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए, मु यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि कुछ ही लोगों ने इस क्षेत्र में शांति और भाईचारे को नष्ट किया है और हर कश्मीरी को आतंकवाद से जुड़ा बताना उचित नहीं है।

मु यमंत्री अब्दुल्ला ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि यह बेहद निंदनीय है। कोई भी धर्म इतनी क्रूरता से निर्दोष लोगों की हत्या को उचित नहीं ठहरा सकता। जाँच जारी रहेगी, लेकिन हमें एक बात याद रखनी चाहिए - ज मू-कश्मीर का हर निवासी आतंकवादी नहीं है या आतंकवादियों से जुड़ा नहीं है। ये कुछ ही लोग हैं जिन्होंने हमेशा यहाँ शांति और भाईचारे को नष्ट किया है। जब हम ज मू-कश्मीर के हर निवासी और हर कश्मीरी मुसलमान को एक ही विचारधारा से देखते हैं और सोचते हैं कि उनमें से हर एक आतंकवादी है, तो लोगों को सही रास्ते पर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने ज़ि मेदार लोगों को कड़ी सज़ा देने का आह्वान किया, साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि निर्दोष लोग इससे दूर रहें।

विस्फोट के आरोपियों के पेशेवर पृष्ठभूमि से होने, जिनमें डॉक्टर भी शामिल हैं, पर टिप्पणी करते हुए, मु यमंत्री ने उस %सुरक्षा चूक% पर सवाल उठाया जिसके कारण यह विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि क्या हमने इससे पहले विश्वविद्यालयों के प्रोफ़ेसरों को नहीं देखा?... कौन कहता है कि पढ़े-लिखे लोग ऐसी चीज़ों में शामिल नहीं होते? होते हैं। मैं इस बात से स्तब्ध हूँ कि उन्हें नौकरी से निकाल तो दिया गया, लेकिन उसके बाद किस तरह की जाँच की गई? मुकदमा क्यों नहीं चलाया गया?... हम स्थिति को सामान्य बनाए रखने में केंद्र सरकार की मदद कर सकते हैं, और हम यही कर रहे हैं।

ज मू-कश्मीर के कई निवासियों को कथित तौर पर एक आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा होने के आरोप में गिर तार किया गया है, जिसने संभवत: विभिन्न स्थानों पर कई आतंकी हमलों की योजना बनाई थी।

दिल्ली विस्फोट पर पवन खेड़ा का गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला, पूछा-2900 किलो विस्फोटक कैसे पहुंचा?

नयी दिल्ली १४/११ (संवाददाता): कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को 10 नवंबर को दिल्ली में हुए विस्फोट को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की। इस विस्फोट में 12 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने सवाल किया कि 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री राष्ट्रीय राजधानी से सिर्फ़ 20 किलोमीटर दूर फरीदाबाद कैसे पहुँची? खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, 卐हैरानी की बात है कि इस घटना के 48 घंटे बाद, कैबिनेट ने स्वीकार किया कि यह एक आतंकवादी घटना थी। यह गंभीर सवाल खड़े करता है।पवन खेड़ा ने सवाल किया कि इतनी सारी सुरक्षा एजेंसियाँ हैं, (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित

शाह हैं, (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) अजीत डोभाल हैं... जो कहते हैं कि हमारी सतर्क नज़र हमेशा बनी रहती है। फिर भी, 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री फरीदाबाद कैसे पहुँच गई? पवन खेड़ा ने कहा कि पुलवामा हमले को लेकर हम लगातार सवाल पूछते रहे कि आरडीएक्स वहाँ कैसे पहुँचा, और इसका जवाब आज तक नहीं मिला। अब, राजधानी दिल्ली से सिर्फ़ 20 किलोमीटर दूर 2,900 किलोग्राम विस्फोटक पहुँच गया है; सवाल यह है कि यह कैसे पहुँचा? फिर, लाल किले के पास हुए विस्फोट में जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं; आखिर इसकी ज़ि मेदारी कौन ले रहा है? ये पूरे देश का सवाल है, और हम कहते रहे हैं कि सरकार स त कदम उठाए; हम उनके साथ हैं।दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट स्थल पर विस्तृत जाँच चल रही है, दिल्ली पुलिस और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के कर्मी गुरुवार को संयुक्त रूप से जाँच कर रहे हैं। अब तक, लाल किले के पास हुए विस्फोट के लिए कथित तौर पर ज़ि मेदार कुल आठ लोगों में एक महिला सहित कम से कम तीन डॉक्टर शामिल हैं। आरोपी डॉ. उमर नबी की पहचान उस हुंडई i20 कार के चालक के रूप में भी हुई है जिससे विस्फोट हुआ था। तीनों डॉक्टर फिलहाल गिर तार हैं, जबकि डॉ. उमर की कार विस्फोट में मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा है कि गिर तार किए गए सभी लोग हाल ही में ध्वस्त हुए एक 卐अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल卐 का हिस्सा हैं, जिसमें डॉक्टर, मौलवी और व्यवसायी समेत कई पेशेवर लोग शामिल हैं। प्रारंभिक जाँच के अनुसार, अधिकारियों ने कहा है कि यह विस्फोट संभवत: कई जगहों पर हमले करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। लाल किले पर i20 में हुए विस्फोट के बाद अधिकारियों ने एक इकोस्पोर्ट और एक ब्रेज़ा सहित कई वाहनों को ज़ब्त कर लिया है, और अन्य वाहनों की तलाश जारी है।

पाकिस्तान से मिल रही धमकी...शुभेंदु अधिकारी का दावा, कहा-बंगाल आतंकवाद का अड्डा बन रहा

कोलकाता १४/११ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उन्हें पाकिस्तान से फ़ोन पर धमकी भरा फ़ोन आया है। यह घटना उसी दिन हुई जब अधिकारी ने पश्चिम बंगाल से जुड़े राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा के लिए दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। अधिकारी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब उन्हें इस तरह की धमकियाँ मिली हों।

अधिकारी के अनुसार, इन धमकी भरे कॉल्स का कारण यह है कि 卐बंगाल इस्लामी आतंकवाद के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में आतंकवादी हमले नहीं होते क्योंकि उन्हें पता है कि जब तक ममता बनर्जी सत्ता में हैं, वे सुरक्षित हैं... लेकिन हम जैसे लोगों को धमकी भरे कॉल आते हैं। मुझे दो दिन पहले ही पाकिस्तान से एक धमकी भरा कॉल आया था। मुझे बांग्लादेश से नियमित रूप से ऐसे कॉल आते हैं। मैंने एजेंसियों को इसकी जानकारी दे दी है। अधिकारी ने दावा किया कि जिस दिन वह दिल्ली में थे, उसी दिन उन्हें धमकी भरा कॉल आया था। कॉल का एक ऑडियो क्लिप जारी किया गया है, जिसमें कथित तौर पर कॉल करने वाला हिंदी में कह रहा है, मैं पाकिस्तान से बोल रहा हूँ। थोड़ा सावधान रहना, वरना तु हें उड़ा दिया जाएगा। भारत में कितने बीएसएफ जवानों को उड़ा दिया गया है! तु हें भी उड़ा दिया जाएगा। सावधान रहना। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कॉल से संबंधित नंबर कथित तौर पर देश कोड +966 से शुरू हुआ था, जो सऊदी अरब के लिए है, लेकिन कॉल करने वाले ने कहा कि वे पाकिस्तान से बोल रहे थे। अधिकारियों ने अभी तक घटना या आरोपों के मद्देनजर उठाए जा रहे सुरक्षा उपायों के संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

भारत-अफ़गानिस्तान आ जाओ, दोनों को अकेले देख लेंगे, भावनाओं में बहकर पाकिस्तान ने कुछ ज्यादा तो नहीं बोल दिया?

नयी दिल्ली १४/११ (संवाददाता): आपने सोशल मीडिया पर वायरल एक छोटे बच्चे का मीम तो जरूर देखा होगा, जिसमें वो गाली देने को लेकर पछतावे में रोता हुआ कहता नजर आता है कि मेरे मुंह से निकल गई। मेरी जुबान टूट गई। कुछ ऐसा ही वाक्या पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के साथ भी होता नजर आए तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। भावनाओं में बहते हुए पाकिस्तान ने कुछ ऐसा कह दिया है कि जिसकी वजह से उसे पछताना पड़ सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री वाजा आसिफ ने एक और भड़काऊ बयान जारी करते हुए दावा किया है कि उनका देश पूर्वी सीमा पर भारत और पश्चिमी सीमा पर तालिबान के खिलाफ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, आसिफ ने कहा कि हम दो मोर्चों पर

युद्ध के लिए तैयार हैं। हम तैयार हैं, हम पूर्वी (भारत) और पश्चिमी सीमा (अफगानिस्तान) दोनों का सामना करने के लिए तैयार हैं। अल्लाह ने पहले दौर में हमारी मदद की और वह दूसरे दौर में भी हमारी मदद करेगा। उनकी यह टिप्पणी मंगलवार को इस्लामाबाद में हुए एक आत्मघाती विस्फोट में 12 लोगों के मारे जाने और 36 अन्य के घायल होने के बाद आई है। पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) ने इस आत्मघाती हमले की ज़ि मेदारी ली है। जहां पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले में भारतीय समर्थन से सक्रिय समूहों के शामिल होने का आरोप लगाया, वहीं वाजा आसिफ ने कहा कि अफगान तालिबान ने इस बम विस्फोट के जरिए एक संदेश भेजा है। आसिफ ने एक्स पर एक संदेश में कहा कि काबुल के शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस युद्ध को इस्लामाबाद तक लाना काबुल से एक संदेश है, जिसका जवाब देने के लिए - ईश्वर की कृपा हो - पाकिस्तान के पास पूरी ताकत है।

मंत्री की बयानबाजी इस्लामाबाद के घटते संसाधनों और तनावपूर्ण कूटनीतिक स्थिति के बावजूद सैन्य ताकत दिखाने की एक नई कोशिश थी। आसिफ की हालिया टिप्पणी हाल ही में दिल्ली में हुए कार बम विस्फोट पर उनकी विवादास्पद टिप्पणियों के बाद आई है। लाल किले के पास हुए विस्फोट को कमतर आंकते हुए, जिसमें 13 लोग मारे गए थे, उन्होंने इसे केवल एक गैस सिलेंडर विस्फोट बताया और भारत पर घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। कल तक तो ये एक गैस सिलेंडर ब्लास्ट था। अब इसे विदेशी साजिश बताने की कोशिश हो रही है। भारत जल्द ही इसके लिए पाकिस्तान को ज़ि मेदार ठहरा सकता है।भारतीय अधिकारियों ने उनके बयानों को ध्यान भटकाने की एक हताश कोशिश बताकर खारिज कर दिया है। वरिष्ठ सुरक्षा सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तानी मंत्री के लहजे में इस्लामाबाद की घबराहट झलक रही थी, खासकर तब जब शुरुआती फोरेंसिक रिपोर्टों से पता चला था कि दिल्ली विस्फोट में सैन्य स्तर का विस्फोटक इस्तेमाल हुआ था।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

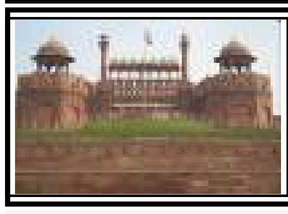

विविध समाचार

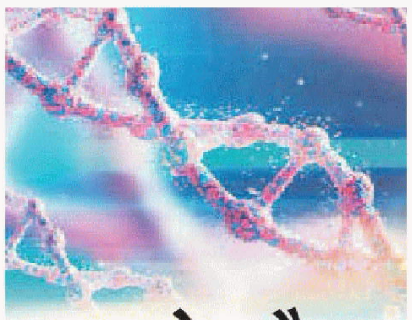

क्या होता है डीएनए, जिससे खुल जाते है पीढ़ियों के राज

डीएनए टेस्ट जिसे करने से व्यक्ति के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मिल जाती हैं। क्या आप इसके बारें में जानते है? क्या आप जानते है भारत में पहली बार डीएनए टेस्ट कब किया गया था? यदि आप भी डीएनए टेस्ट के बारे में नहीं जानते हैं तो यह खबर आपके काम की हैं।

डीएनए टेस्ट एक शक्तिशाली और विश्वासनीय विज्ञान है, जिसके जरिए हम व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके वंश और स्वास्थ्य का विश्वासनीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह विज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन डीएनए से आप व्यक्ति की पूरी जानकारी निकाल सकते हैं। दरअसल डीएनए न सिर्फ व्यक्ति के माता-पिता की जानकारी मिल सकती हैं बल्कि इससे उसकी पुरानी पीढ़ियों, बीमारियों और मजबूती के बारे में पता लगाया जा सकता है। दरअसल आपको बता दें भारत में पहला डीएनए टेस्ट 1991 में हुआ था।

क्या होता है डीएनए?

दरअसल जैसे ज्योतिष में कुंडली का महत्व होता है, ठीक उसी तरह डीएनए से हम व्यक्ति के जींस, पूर्वजों और उनकी आनुवंशिक ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं। आपको बता दें की डीएनए को डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड कहा जाता हैं। जानकारी के अनुसार यह हमारे शरीर में मौजूद एक अणु होता है। दरअसल किसी भी व्यक्ति का एक अद्वितीय आनुवंशिक और अलग कोड होता है। आपको जानकारी होगी कि हमारे शरीर में कई करोड़ सेल्स दौड़ती हैं। वहीं ये रेड सेल्स को छोड़कर अन्य सभी सेल्स में एक जेनेटिक कोडिंग होती हैं, जो शरीर को बनाती है। बस इसी कोडिंग की मदद से डीएनए पूर्वज तक की जानकारी निकल लेता हैं। दरअसल इसमें उनके स्वास्थ्य, बीमारियों, उनके वंश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इस जानकारी का प्रयोग तब किया जाता है जब बड़े आपराधिक मामलों में डीएनए टेस्ट की जरूरत पड़ती है।

कैसे करते हैं डीएनए टेस्ट?

डीएनए टेस्ट की जांच के लिए विभिन्न शरीरिक नमूने लिए जाते हैं, जैसे कि मुख की लार, दांत, हड्डियां, नाखून या पेशाब। ये नमूने साइंटिफिक तरीके से प्रक्रियाओं के माध्यम से लेकर डीएनए कोशिकाओं को अलग किया जाता है और उससे व्यक्ति के आनुवंशिक ज्ञान का पता लगाया जाता है।

उरई की ऐतिहासिक लंका मीनार...

जहां भाई-बहनों का प्रवेश है निषेध

भारत, आस्था और मान्यताओं का देश माना जाता है, जहां हर ऐतिहासिक स्थल और मंदिर के पीछे अपनी अलग मान्यता होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही धार्मिक स्थल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके साथ बेहद ही रोचक मान्यता जुड़ी हुई है। दरअसल आज हम बात कर रहे हैं लंका मीनार की, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां सिर्फ प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी ही प्रवेश कर सकते हैं। यहां भाई बहनो का प्रवेश निषेध है।

भारत कई संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। यहां का समाज सदियों से चले आ रहे हैं रीती-रिवाजों का प्लान करता है। इसके अलावा यहां कई अजीबों-गरीब मान्यताओं का भी खूब चलन है, जिनके बारे में जानकार हर कोई हैरान रह जाता है। भारत की एक ऐसी ही मान्यता है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बताने जा रहे हैं, जो एक मीनार से जुड़ी हई है। ऐसा कहा जाता है कि इस मीनार पर भाई-बहन एक साथ चढ़कर ऊपर जा नहीं जा सकते।

25 वर्षों में मीनार का हुआ था पूरा निर्माण

नगर के मोहल्ला रावगंज स्थित लंका मीनार का निर्माण बाबू मथुरा प्रसाद निगम लंकेश ने सन 1875 में कराया था। 25 वर्षों में लंका मीनार का निर्माण पूरा हुआ था। लंकेश के वंशज विवेक कुमार निगम बताते है कि लंका मीनार में ऊपर चढने के लिये सात गोल फेरों से होकर जाना पड़ता है इसलिये यहां पर भाई बहन चाचा भतीजी मामा भांजी आदि रिश्तों को ध्यान में रख कर लोग लंका मीनार पर चढ़ते हैं लंका मीनार के सात फेरों को शादी के सात फेरों से जोड़ कर देखा जाता है। यदि उक्त रिश्ते के लोग साथ मे लंका मे चढ़ते हैं तो उन्हें पति पत्नी मान लिया जाता है। हालांकि यह बात कहीं इतिहास में दर्ज नही है। यह केवल किवदंती मात्र है।

रावण का पूरा परिवार सहित संसार के सारे देवी देवता स्थापित हैं

लंका मीनार की देखरेख करने वाले विवेक निगम बताते हैं कि लंका मीनार परिसर में रावण के पूरे परिवार के लोगों की मूर्तियां स्थापित हैं। रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड में जितने भी देवी देवताओं का वर्णन मिलता है सभी के चित्र लंका मीनार में स्थापित है वहीं रावण की विशाल काय प्रतिमा के सन्मुख चित्रगुप्त का मंदिर है। इस मंदिर को कुछ इस तरीके से बनाया गया है कि 12 मास 24 घंटे रावण की दृष्टि शिवलिंग पर पड़ती है इसी मंदिर मे संसार के सभी देवी देवता की प्रतिमा स्थापित है

उत्तर प्रदेश में मौजूद है 'लंका मीनार'

इस मीनार की अजीब मान्यता रावण को समर्पित है। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में स्थित इस मीनार के अंदर रावण के पूरे परिवार के चित्र बनाए गए हैं। वैसे मीनार ज्यादा बड़ी नहीं है, लेकिन अपनी अजीब मान्यता की वजह से ये जगह एक टूरिस्ट स्पॉट में बदल चुकी है। इस स्थान का अनुभव लेने के लिए लोग यहां दूर-दूर से आते हैं।

क्यों कराया गया इस मीनार का निर्माण?

इस मीनार के निर्माण की कहानी बड़ी दिलचस्प है. जानकारी के अनुसार, यह मीनार 1857 में, मथुरा प्रसाद नामक एक व्यक्ति द्वारा बनवाई गई थी. कहते हैं कि मथुरा प्रसाद ने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण करवाया था. इसलिए, इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया.

मंदिर को बनाने की कहानी

इस मीनार के निर्माण की कहानी बेहद ही दिलचस्प है। इस मीनार को 1857 में, मथुरा प्रसाद निगम के एक व्यक्ति द्वारा बनवाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण किया था, जिस वजह से इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया। मथुरा प्रसाद एक कलाकर के रूप में ज्यादातर रावण का किरदार करते थे। ऐसा कहा जाता है कि रावण की भूमिका ने उनपर इतनी बड़ी छाप छोड़ी कि उन्होंने रावण की याद में एक मीनार बनवा डाला। लंका मीनार को बनाने में 20 साल का समय लगा था। टॉवर की ऊंचाई 210 फीट है। इस मीनार को बनाने में उस समय लगभग 1 लाख 75 हजार का खर्चा आया था।

शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता हैं इसे

नगर की लंका मीनार एक ऐसा स्थान है जहां पर भाई बहन मामा भांजी चाचा भतीजी आदि साथ में मीनार पर नहीं चढ़ सकते हैं। क्योंकि इसमें चढने के लिए सात गोल चक्कर हैं जिन्हें शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है यदि उक्त रिश्ते वाले लोग यदि बिना ध्यान दिये लंका में चढ़ जाते हैं तो उन्हें पति पत्नी माना जाता है। इसकी जानकारी पहले लंका मीनार के बाहर भी लिखी थी।

बहन-भाई नहीं जा सकते

लंका मीनार को लेकर एक अजीब मान्यता ये भी है कि यहां मीनार में भाई बहन एक साथ ऊपर नही जा सकते हैं। असल में, मीनार के ऊपर जाने के लिए 7 परिक्रमाओं को पूरा करना पड़ता है, जिसे भाई-बहन द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यही कारण कि मीनार के ऊपर एक साथ भाई बहनों का जाना मना है। इसे मान्यता को आप भी कुछ कह लें, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा इसका पालन सालों से किया जा रहा है।

कौड़ी, केसर, शीप, दाल, गुड़ आदि के मिश्रण से हुआ था निर्माण

विवेक कुमार निगम बताते हैं कि इस मीनार का निर्माण कौड़ी, केसर, शीप, उर्द की दाल, गुड़ और चूने आदि का प्रयोग करके कराया गया था। इसका निर्माण कारीगर अजीम ने किया था। लंका मीनार की लंबाई लगभग 30 मीटर है, जिसमें सात घुमावदार मोड़ हैं। वहीं लंका मीनार परिसर में रावण का पूरे परिवार का चित्रण है, जिसमें सौ फीट के कुंभकर्ण व 65 फीट ऊंचे मेघनाद की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

यहां ट्रेन से उतरते हैं भूत, खौफनाक नजारा देख भागे कारीगर, अब तक अधूरा है ये स्टेशन!

दुनिया में ऐसी कई जगहें है, जिनसे भूतों का कनेक्शन जुड़ गया है. भूत होते हैं या नहीं, ये तो व्यक्तिगत मान्यताओं पर निर्भर करता है. पर इन जगहों पर जाकर बहुत से लोगों ने ये दावा किया है कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ है कि उनके इर्द-गिर्द भूतों जैसा कुछ मौजूद है. ऐसी ही एक जगह स्वीडन में मौजूद है. ये एक रेलवे स्टेशन है, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां भूतों से भरी ट्रेन आती है और यहां पर सिर्फ भूतों का ही राज चलता है. जब आप इस जगह के बारे में जानेंगे, तो आपकी भी रूह कांप उठेगी.

रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन की राजधानी स्टॉकहॉम शहर में एक मेट्रो स्टेशन है, जिसका नाम है किमलिंज मेट्रो स्टेशन. शहर के आम लोगों की कहानियों और किस्सों में ये स्टेशन भुतहा है. अब वास्तविकता क्या है, ये तो कोई भी ठीक-ठीक नहीं बताता, पर मान्यताओं में यहां लोग जाने से डरते हैं. इसी वजह से ये स्टेशन आजतक अधूरा है. माना जाता है कि सालों पहले जब इस स्टेशन को बनाने का कार्य जारी था, तो यहां काम करने वाले कारीगर रातों-रात भाग निकले थे.

स्टेशन क्यों रह गया अधूरा?

उन्होंने अपने परिवार-दोस्तों से स्टेशन के राज का खुलासा करते हुए बताया था कि वहां भूत हैं. उनका कहना था कि रात में इस स्टेशन पर कुछ ट्रेनें आती हैं, जिनसे भूत उतरते हैं. तब से लोगों में ये अफवाह फैल गई कि स्टेशन पर देर रात ऐसी ट्रेनें आती हैं, जिसमें से भूत यात्रा कर यहां उतरते हैं. इस स्टेशन से जुड़ी जो सबसे खौफनाक बात है, वो है सिल्वर एरो ट्रेन. ये ट्रेन अपने में काफी अनोखी लगती है.

ट्रेन से उतरते थे भूत

1960 के दशक में स्टॉकहोम मेट्रो को 8 ट्रेनों की सौगात मिली थी जो अल्युमीनियम से पूरी तरह बनी थीं. वैसे तो ये स्वीडन में आम बात थी, पर जब वो उन ट्रेनों को स्टेशन पर लाया गया, तो उन्हें स्टॉकहोम की ट्रेनों के अन्य कोच की तरह हरे रंग में नहीं रंगा गया. प्रशासन ने सोचा था कि सिल्वर रंग के कोच, बाकी कोच से अलग नजर आएंगे. पर उन्हें ये कहां पता था कि इसकी वजह से अफवाहें भी फैलने लगेंगी. धीरे-धीरे अफवाह फैलने लगी कि ये ट्रेन रात में अपने आप चलने लगती है. बाकी ट्रेनों पर लोग स्प्रे पेंट से पेंटिंग कर देते थे, या कोई विज्ञापन चिपका देते थे, पर सिल्वर एरो ट्रेनें बिना किसी दाग की होती थीं. लोगों का मानना था कि ऐसा सिर्फ इस वजह से है क्योंकि ट्रेनों को भूत प्रयोग कर रहे हैं. कुछ लोग ये भी मानते थे कि अगर ट्रेन पर कोई जीवित व्यक्ति चढ़ गया, तो जो नीचे उतरेगा, वो उसका भूत होगा.

क्या था सच

प्रशासन ने इस स्टेशन और ट्रेन के बारे में कई बार बताया है. उनका कहना है कि स्टेशन खाली नहीं रहता, बस उसके निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी. वो इसलिए क्योंकि स्टेशन जंगलों के बीच स्थित था और प्रशासन ने तय किया कि वो उसके आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती को नष्ट नहीं करना चाहते. इसके अलावा उन्हें लगा था कि ट्रेन को सिल्वर रंग का छोड़ने से उन्हें ये पता चल जाएगा कि यात्रियों को रंगीन ट्रेनों पर चलना पसंद है या फिर सादे रंग की ट्रेनों पर. इसके अलावा पेंट न करने से उनके काफी रुपये बच रहे थे. न जाने कैसे, लोगों ने ट्रेन को लेकर भूतों की बातें शुरू कर दीं. ऐसी रोचक जानकारियों के लिए जुड़े रहें.

कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं, जिनपर विश्वास करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लगने लगता है। आज से 66 साल पहले कुछ ऐसी ही घटना जापान के एक एयरपोर्ट पर घटी थी, जो आज भी एक अनसुलझी पहेली की तरह है। दरअसल, यहां एक रहस्यमय शख्स आ गया था, जो खुद को एक ऐसे देश का नागरिक बता रहा था, जो असल में धरती पर कहीं है ही नहीं। इतना ही नहीं, एक बंद कमरे से वो अचानक गायब भी हो गया था, जिसके बाद वो कभी नहीं दिखा।

66 साल से रहस्य बना है काल्पनिक देश से आया शख्स, अचानक हो गया था गायब

यह घटना जुलाई 1954 की है। दोपहर के 12.30 बज रहे थे। एक यूरोपीय विमान टोक्यो के हेनेडा हवाईअड्डे पर लैंड हुआ। विमान में सवार सभी यात्री नीचे उतरे और चेक आउट काउंटर की तरफ गए। वहां बैठे अधिकारी सभी यात्रियों के पासपोर्ट की जांच कर रहे थे। तभी उन्हें एक ऐसा यात्री मिला, जिसके पासपोर्ट को देख कर वो हैरान रह गए। यात्री के पासपोर्ट पर टॉरेड नाम के एक देश का नाम लिखा हुआ था। जांच कर रहे अधिकारियों ने इससे पहले कभी ऐसे किसी देश का नाम नहीं सुना था। उन्हें वो यात्री संदिग्ध लगा, इसलिए उन्होंने इसकी सूचना सुरक्षा अधिकारियों को दी, जिसके बाद उस यात्री को पूछताछ के लिए अलग कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों ने सबसे पहले तो उससे जापान आने का कारण पूछा। इस पर उसने बताया कि वह एक कारोबारी है और बिजनेस के सिलसिले में ही यहां आया है। सुरक्षा अधिकारियों ने उस रहस्यमय यात्री के पासपोर्ट की जांच की, जिसपर उसके देश का नाम टॉरेड लिखा था। उन्हें भी बड़ा आश्चर्य हुआ कि क्या सच में ऐसा कोई देश है। अधिकारियों के पूछने पर उसने बताया कि इस पासपोर्ट पर ये कोई उसकी पहली यात्रा नहीं है बल्कि वो यूरोप के कई देशों में भी जा चुका है। अधिकारियों को भी उसकी बातें सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके पासपोर्ट पर अन्य देशों के जो मुहर लगे थे, वो बिल्कुल असली थे। फिर भी वो इस बात को मानने को कतई तैयार नहीं थे कि जिस देश से वह यात्री आया है, असल में वो धरती पर कहीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानने के लिए कि टॉरेड आखिर धरती पर है कहां, उस यात्री को दुनिया का मैप दिखाया और पूछा कि उसका देश कहां है। इसपर उस यात्री ने अंडोरा नाम के देश पर ऊंगली रखते हुए कहा कि यहां उसका देश है, लेकिन उसे ये समझ नहीं आ रहा कि यहां टॉरेड की जगह अंडोरा क्यों लिखा हुआ है। यह सुनकर अधिकारी और भी ज्यादा हैरान हो गए कि आखिर ये शख्स खुद को एक काल्पनिक देश का क्यों बता रहा है, लेकिन उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को देखकर लग रहा था कि वो सच बोल रहा है। अब वो रहस्यमय यात्री सच बोल रहा है या झूठ, यह जानने का एक ही उपाय था और वो ये कि वह कारोबार के सिलसिले में किससे मिलने आया था। अधिकारियों के पूछने पर उसने उस कंपनी का नाम बताया, जहां उसे जाना था। साथ ही उस होटल के बारे में भी बताया, जहां उसे ठहरना था। इसके बाद अधिकारियों ने उस कंपनी और होटल से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को पहचानने से इनकार कर दिया। अब जांच अधिकारियों को लगा कि शायद ये कोई शातिर अपराधी है, जो अपनी पहचान छुपा रहा है और यहां किसी घटना को अंजाम देने के लिए आया है। इसके बाद उन्होंने उसका सारा सामान जब्त कर लिया और पुलिस की कड़ी निगरानी में उसे एक होटल के कमरे में बंद कर दिया गया। अगले दिन जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो पुलिस यह देख कर चौंक गई कि कमरे में तो कोई है ही नहीं, जबकि बाहर पुलिस का पहरा था और कमरे की सभी खिड़कियों को पहले ही सील कर दिया गया था। पुलिस को यह जानकर और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि एयरपोर्ट पर उसका जो पासपोर्ट, वीजा और अन्य कागजात जब्त किए गए थे, वो भी गायब थे। अब किसी को भी यह समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ये हुआ कैसे।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। कोई कहता है कि वो रहस्यमय शख्स दूसरी दुनिया से आया था तो कोई कहता है कि टाइम मशीन के जरिए वो गलती से यहां आ गया होगा और जब उसने देखा कि उसका राज खुलने वाला है तो वो कहीं गायब हो गया। अब यह सच है या झूठ, ये तो कोई नहीं जानता, लेकिन इस रहस्यमय घटना पर कई किताबें जरूर लिखी जा चुकी हैं, जिनमें से एक है डायरेक्टरी ऑफ पॉसिबिलिटीज।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 15 नवंबर 2025

दलित क्या पानी पीने के हकदार नहीं

देश में धार्मिक और जातीय भेदभाव के कारण समाज में जो दुश्मनी का माहौल बन गया हैए अब उसमें इसी तरह इंतिकाम यानी बदला लेने की घटनाएं हो रही हैं। तमिलनाडु के पुडुकोट्टई जिले के वेंगईवयाल गांव में एक झकझोरने वाला मामला सामने आया है। इस गांव के बच्चे पिछले कुछ दिनों से बीमार पड़ रहे थे। डाक्टर ने बीमारी का पता लगाने के लिए पानी की जांच करने कहा। गांव में जिस पानी की टंकी से आपूर्ति होती थीए उस पर चढ़कर देखा गया तो पानी पीला नजर आया। जांच के बाद पता चला कि लगभग 10 हजार लीटर वाली इस पानी टंकी में किसी ने बड़ी मात्रा में मानव मल डाल दियाए ताकि पानी दूषित हो जाए। यह अमानवीय कृत्य केवल इसलिए हुआए क्योंकि वेंगईवयाल गांव आज भी दलित विरोधी मानसिकता से जकड़ा हुआ है। एक और चिंताजनक और हैरान करने वाली बात ये है कि यह खबर देते हुए कुछ लोगों ने अनुसूचित या दलित समुदाय के लिए बनी पानी टंकी लिखा है। हमने प्रेमचंद की कहानी ठाकुर का कुआं तो पढ़ी हैए लेकिन आजादी के अमृतकाल में भी अगर दलितों की पानी टंकी पढ़ना पड़ेए तो ये समझना कठिन नहीं है कि आजादी का अमृत केवल सवर्ण.संपन्न तबकों के लिए ही है। गरीब पहले भी गुलाम थेए अब भी उनके हालात गुलामों की तरह ही बदतर हैं। जिस गांव में दलितों के पानी पीने पर भी साजिश रची गईए वहां इस बात का भी खुलासा हुआ है कि यहां जातिगत भेदभाव हर जगह है। गांव में चाय की दुकान पर दलितों के लिए अलग गिलास रखे हुए हैं। दलितों का ये भी कहना है कि उन्हें तीन पीढ़ियों से मंदिर के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं है। पानी टंकी को मानव मल से दूषित करने की शिकायत के बाद जब यहां की जिलाधिकारी कविता रामू और पुलिस अधीक्षक वंदिता पांडे गांव में पहुंचीं तब लोगों ने इन सारे भेदभाव की शिकायत की। बताया जा रहा है कि जिस चाय दुकान में दलितों के लिए अलग गिलास रखने का रिवाज थाए उसके मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। दलितों को मंदिर में प्रवेश दिलवाने की पहल भी जिलाधिकारी ने की। उन्होंने कहा कि मंदिर के दरवाजे सभी के लिए खुले होने चाहिए और सभी को यहां दर्शन की अनुमति दी जानी चाहिए। भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए यहां कैमरे लगाए जाएं। जिलाधिकारी दलित समुदाय के लोगों को मंदिर के अंदर ले गईं। लेकिन खबरों के मुताबिक जिस समय जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक वहां पहुंचीं तो वहां पर पूजा चल रही थीए उसी दौरान कथित रूप से ऊंची जाति की एक महिला ने अपने शरीर में देवता के आने की बात कही और कहा कि नीची जाति के लोगों को मंदिर में प्रवेश नहीं करना चाहिए। अगर यह बात सही है तो फिर यह समझ लेना चाहिए कि जिलाधिकारी की इस स्वागतयोग्य पहल का कोई भविष्य नहीं है। दरअसल जाति की बेड़ियों ने समाज को इस तरह बांधा हुआ है कि उसे टूटने में सदियां लग जाएंगी। वैसे यह विचारणीय है कि वेंगईवयाल गांव में अगर पानी टंकी का दुखद प्रकरण घटित नहीं होताए तो क्या पुडुकोट्टई जिला प्रशासन को दलितों के साथ हो रहे भेदभाव की खबर लग पाती। अगर तीन पीढ़ियों से दलितों को मंदिर प्रवेश नहीं मिला थाए तो यह बात पहले से प्रशासन के संज्ञान में क्यों नहीं थी। जो भेदभाव जिले के एक गांव में हुआ हैए क्या अन्य गांवों.शहरों का भी वही हाल नहीं होगा। दुखद बात ये है कि दलितों के साथ ये अन्याय उस तमिलनाडु में हुआए जो ई वी रामास्वामी पेरियार की जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों रहीं। पेरियार ने पूरी जिंदगी अंधविश्वासए अतार्किकताए रूढ़िवादी विचारों और ब्राह्मणवाद की मुखालफत की। उन्हें हिंदू धर्म के खिलाफ बताया जाता हैए लेकिन असल में वे सभी संगठित धर्मों के खिलाफ थे। पेरियार हर तरह के भेदभाव के खिलाफ थेए चाहे वह जाति या धर्म को लेकर हो या फिर लैंगिक आधार पर। इसलिए उन्होंने बाल विवाह के उन्मूलनए विधवा महिलाओं की दोबारा शादी के अधिकारए पार्टनर चुनने या छोड़नेए शादी को इसमें निहित पवित्रता की जगह पार्टनरशिप के रूप में लेनेए आदि के लिए अभियान चलाया था।

भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए नौसेना के विस्तार की आवश्यकता

नन्तु बनर्जी

भारतीय नौसेना की वर्तमान बेड़े की ताकत उत्तर कोरियाए कोलंबियाए मिस्रए थाईलैंड और ईरान की तुलना में भी कम है। 2020 तकए भारतीय नौसेना की वास्तविक बेड़े की ताकत की तुलना में पीएलएएन के बेड़े का आकार ;विमान वाहक और पनडुब्बियों सहित 777 युद्धपोतद्ध काफी बड़ा था। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएएन के कुल बेड़े का आकार श्85 गश्ती लड़ाकों और शिल्प को शामिल नहीं करता है जो एंटी.शिप क्रूज मिसाइल ;एएससीएमद्ध ले जाते हैं।श

भारतीय नौसेना को मजबूत करने के लिए भारत को आने वाले वर्षों में तेजी से पूंजीगत बजट को बढ़ाना होगाए अपने बेड़े को विस्तारित करना होगाए और आधुनिकीकरण की गति तेज करनी होगी ताकि आकार में दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना शक्तिए चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी ;पीएलएएनद्ध से हिंद महासागर तथा प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते खतरों का मुकाबला किया जा सके। सरकार को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि पीएलएएन भारतीय नौसेना से चार गुना बड़ा और मजबूत है। यह सच है कि इस वित्तीय वर्ष में पहली बार भारतीय नौसेना का पूंजीगत व्यय लक्ष्य 45 प्रतिशत तक बढ़ाया गया हैए परन्तु आगे भी इसे बढ़ाने की आवश्यकता है।

पिछले साल के 21000 करोड़ की तुलना में 2022.23 के लिए अकेले जहाजों और उपकरणों के लिए बजट आबंटन 35ए452 करोड़ रुपये था। कुल पूंजी परिव्यय का 75 प्रतिशत इसके बेड़े के लिए निर्धारित किया गया हैए जिसमें युद्धपोतए पनडुब्बी और अन्य उपकरण शामिल हैं। देश के नौसैनिक बल को 2023.24 और उसके बाद भी इसी तरह के बजट की जरूरत है। भारतीय नौसेना को इस क्षेत्र में बढ़ते पीएलएएन के खतरे का सामना करने के लिए अपनी क्षमता को मजबूती से बढ़ाने की आवश्यकता हैए विशेष रूप से भारत के तीन महासागर साझा करने वाले पड़ोसियों–बांग्लादेशए श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ उसके बढ़ते सैन्य गठबंधन के संदर्भ में।

दुर्भाग्य सेए भारतीय नौसेना को वह प्राथमिकता नहीं मिलीए जिसकी वह पहले के वर्षों में सरकार से हकदार थी। भारतीय नौसेना की वर्तमान बेड़े की ताकत उत्तर कोरियाए कोलंबियाए मिस्रए थाईलैंड और ईरान की तुलना में भी कम है।

2020 तकए भारतीय नौसेना की वास्तविक बेड़े की ताकत की तुलना में पीएलएएन के बेड़े का आकार ;विमान वाहक और पनडुब्बियों सहित 777 युद्धपोतद्ध काफी बड़ा था। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएएन के कुल बेड़े का आकार 85 गश्ती लड़ाकों और शिल्प को शामिल नहीं करता है जो एंटी.शिप क्रूज मिसाइल ;एएससीएमद्ध ले जाते हैं।श

आने वाले वित्तीय वर्षों में भारतीय नौसेना के लिए एक ब पर बजट आबंटन मौजूदा जहाजों और पनडुब्बियों को आधुनिक बनाने में मदद करेगा और इसके बेड़े के आकार को भी बढ़ायेगा क्योंकि चीन अपनी नौसैनिक पहुंच को और बढ़ा देगा। अमेरिकाए जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी अत्याधुनिक नौसैनिक शक्तियों के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी–चतुर्भुज सुरक्षा संवाद ;क्वाडद्ध के सभी सदस्य.बहुत कम मूल्य की होगी यदि भारतीय नौसेना स्वयं पर्याप्त मजबूत नहीं है। हालांकि अमेरिकी बेड़े का आकार ;490 जहाजद्ध चीन की तुलना में छोटा हैए यह घातक शक्ति में पीएलएएन की तुलना में काफी मजबूत है। वास्तव मेंए अमेरिकी नौसेनाए मारक क्षमता के मामले मेंए विमान वाहक और पनडुब्बियों की बेजोड़ ताकत के साथ सबसे आधुनिक और बहुमुखी मानी जाती है।

वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न वारशिप्स 2023 अमेरिकी नौसेना को दुनिया की सबसे मजबूत नौसैनिक शक्ति मानती हैए इसके बाद पीएलएएन, रूसी नौसेना, इंडोनेशियाई नौसेना, कोरिया गणराज्य की नौसेना, जापान समुद्री आत्मरक्षा बल और भारतीय नौसेना का स्थान है। अमेरिकी नौसेना के पास 11 विमान वाहकए 10 हेलीकॉप्टर वाहकए 68 पनडुब्बी और 92 विध्वंसक हैं। केवल पीएलएएन के पास अधिक पनडुब्बियां ;79द्ध हैं।

रूस में 64 पनडुब्बियां हैं। चीन के 50 और रूस के 15 के मुकाबले अमेरिका के पास 92 विध्वंसक हैं।

हालांकि ये अनुमान हमेशा अन्य वैश्विक श्नेवल वॉचश् रिपोर्ट से मेल नहीं खाते। इसके अलावाए श्सबसे बड़ेश् नौसैनिक बलों का मतलब श्सबसे शक्तिशालीश् बलों से नहीं है।

विभिन्न श्नौसेना निगरानीश् एजेंसियां इस बारे में विपरीत दिशानिर्देश देती हैं कि वे किस प्रकार के जहाज को किसी देश की नौसेना का हिस्सा मानते हैं। उदाहरण के लिएए चीन की नौसेना में इससे100 से अधिक होवरक्रा ट शामिल हैंए जिन्हें नौसैनिक जहाज माना भी जा सकता है और नहीं भी। आधुनिक नौसैनिक बल अक्सर न केवल सक्रिय ड्यूटी पर कमीशन किये गये जहाजों को शामिल करते हैंए बल्कि गैर.कमीशन वाले जहाजोंए सहायक जहाजोंए आरक्षित बेड़े और यहां तक कि निर्माणाधीन जहाजों को भी शामिल करते हैं। ऐसी गणनाओं में हो सकता है किसी देश की नौसेना के जहाजों की सं या पर प्रभाव का अनुमान है।

आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसारए भारतीय नौसेना के पास 150 युद्धपोत और पनडुब्बियांए चार ईंधन टैंकरए एक जवाबी पोतए 24 जलपोतए पनडुब्बीरोधी युद्धक उथले जल जहाज, 17 हमलावर पनडुब्बियांए एक बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बीए 14 फ्रिगेट, 10 विध्वंसक, तथा 300 विमान हैं। आठ लैंडिंग शिप टैंकए एक उभयचर परिवहन डॉकए दो विमान वाहकए विभिन्न छोटी पेट्रोल नौकाएंए पूरक जहाज भी हैं। भारतीय नौसेना के पास लगभग 75000 रिजर्व और 67000 से अधिक सक्रिय कर्मी हैं। इसके पास अंडमान और निकोबार द्वीप समूहए पश्चिम बंगालए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्रए गोवाए कर्नाटक और गुजरात में पूरी तरह से सुसज्जित और प्रशिक्षण आधार हैं।

इन आधारों से गोला.बारूद समर्थनए रसद और रखरखाव सहायताए समुद्री कमांडो आधारए वायु स्टेशनए आगे संचालन आधारए पनडुब्बी और मिसाइल नाव आधारए मिसाइल रक्षा और तटीय रक्षा प्रदान करने वाले हैं। भारत की नौसेना जल्द ही एक मजबूत वैश्विक नौसैनिक शक्ति बनने की आकांक्षा रखती है।

नेशनल इन्टरेस्ट डॉट ऑर्ग पर सैन्य विश्लेषकों की 2021 की एक रिपोर्ट में 2030 में दुनिया की पांच शीर्ष नौसेनाओं का अनुमान लगाया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इसने भारतीय नौसेना को रूस से आगे चौथे स्थान पर रखा। यह रिपोर्ट अगले आठ वर्षों में भारतीय नौसेना के विस्तार के बारे में अति.आशावादी है। अमेरिकी नौसेना नंबर 1 हैए उसके बाद ब्रिटिश नौसेना और चीनी नौसेना है। विश्लेषकों को उ मीद है कि टन भार और तकनीकी प्रगति के बेजोड़ संयोजन के कारण अमेरिका प्रमुख वैश्विक नौसैनिक शक्ति बना रहेगा।

अमेरिकी नौसेना के पास न केवल बहुत से जहाज़ हैंए बल्कि इसके पास कई विशालए अत्याधुनिक जहाज़ भी हैं। यूके के जहाजों की कुल सं या में कमी आने की उ मीद है। दो नये विमान वाहकों को जोड़ने और इसके पनडुब्बी बेड़े में वृद्धि से ब्रिटेन को नंबर 2 समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित होना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपनी नौसैनिक उपस्थिति का विस्तार कर रहा है और उसके पास 2030 तक तीन ऑपरेटिंग विमान वाहक होने चाहिएए जो सामूहिक रूप से 110.120 विमानों को तैनात करने में सक्षम हों। आधिकारिक रिपोर्टों से पता चलता है कि भारतीय नौसेना के पास विभिन्न प्रकार के 45 पोत निर्माणाधीन हैं।

इनमें विध्वंसक, फ्रिगेट, जलपोत, पारंपरिक और परमाणु.संचालित पनडुब्बियां शामिल हैं। योजना 2050 तक 200 युद्धपोतों और 500 विमानों की एक मजबूत नौसेना बनाने की है। चीन की आक्रामक मुद्रा और भारत.प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए समय सीमा काफी लंबी प्रतीत होती है। सरकार को वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने विस्तार कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए भारतीय नौसेना को वार्षिक पूंजीगत व्यय निधि सहायता जारी रखनी चाहिए।

तू नया है तो दिखा सुबह नई शाम नई

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

इस हिंसा को उकसाते हुए सभी लड़कियों के साथ लड़कों की भी सुरक्षा भूल रहे हैं या इन अपराधों से आंखें मूंदे हुए हैं। बलात्कार के चालीस फीसदी केस वास्तव में बलात्कार के नहीं होते। ये वे मामले हैं जिनमें परिवार उन पुरुषों को बलात्कार के इल्ज़ाम में मुकदमे दायर करता है जिनसे परिवार की बेटियां या तो शादी कर चुकी होती हैं या करना चाहती हैं। परिवार हर कीमत पर इन शादियों को निरस्त कर लड़की को बरामद करना चाहते हैं। क्या यह महज संयोग है कि भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी दो स्त्रियां जिनमें एक सांसद और दूसरी मंत्री हैंए एक ही समय में कहती हैं कि श्आत्मरक्षा के लिए हथियार रखो और अपने घर में रखे सब्जी काटने वाले चाकू की धार इतनी तेज़ करा लो ताकि वक्त आने पर दुश्मन के सर काट सकोघ्श् किसके लिए करने हैं ये हथियार धारदारघ् क्या किसी भी बंदूक की गोली या हथियार पर लिखा होता है कि वह किसकी जान लेगीघ् क्या यह तय है कि ये हथियार चुन.चुनकर निशाना साधेंगे और समाज में हिंसा के बाद फिर संस्कार पर लौट आएगाघ् क्या ऐसे संस्कारित होंगी देश की लड़कियां जिनकी बात सांसद महोदया करती हैंघ् आखिर क्यों ज़ि मेदार पदों पर बैठे इन लोगों को संसदए सरकार और देश की व्यवस्था से कोई उ मीद नहीं है जो ये भीड़ को उकसा.उकसाकर हिंसक हो जाने के लिए कह रहे हैंघ

देश के कानून में ऐसी नफ़रती और घृणा फ़ैलाने वाली भाषा के लिए कोई जगह नहीं हैए लेकिन फिर भी शासन.प्रशासन सब मूक बने हुए हैं और जो कोई एफआईआर कराना भी चाहता है तो क्षेत्र का एसपी कहता है कि आपको थाने आना पड़ेगा। यानी सबकी कोशिश है कि ऐसी घृणित बयानबाज़ी करने वालों को पूरा संरक्षण देना हैए कवच प्रदान करना है। क्या यह संरक्षण तब भी मिलेगा जब संसद किसी अलग दल और अलग पार्टी का होघ् शायद नहीं! ऐसे वक्त में तमाम व्यवस्था सही दिशा में काम करने लगती है। अपने लिए मनमानी और दूसरों के लिए क़ानूनी। क्या ऐसे ही दृश्यों का साक्षी नहीं हो रहा है देश इन दिनोंघ् भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर कर्नाटक के शिमोगा में और मध्यप्रदेश की पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर भोपाल में कह जाती हैं कि श्आत्मरक्षा के लिए हथियार रखो।श

सिलसिला चल पड़ा है और अब मध्यप्रदेश के एक और भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी यही घोषणा बुलंद कर दी है। प्रज्ञा ठाकुर तो पहले भी अपने बयानों से प्रधानमंत्री मोदी को दुखी कर चुकी हैं। प्रज्ञा पहले महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोड्से को देशभक्त बता चुकी हैं। तब प्रधानमंत्री ने कहा था कि श्भले ही नाथूराम गोड्से को देशभक्त बताने की बात पर प्रज्ञा माफी मांग चुकी हो लेकिन मैं उन्हें कभी हृदय से क्षमा नहीं कर पाऊंगा।श् अब प्रज्ञा हैं कि दुख बढ़ाती ही चली जा रही हैं। मुंबई बम विस्फोट में शहीद महाराष्ट्र के एटीएस चीफ हेमंत करकरे के लिए प्रज्ञा कहती हैं. श्वे अपने शाप की वजह से मरे।श् करकरे चाहते तो मुंबई पर आतंकी हमले के वक्त नीचे आर्डर पास कर सकते थे लेकिन उन्होंने मोर्चा खुद संभाला।

अपेक्षाकृत कमज़ोर बुलेटप्रुफए हेलमेट जो उनका नहीं था और रायफल के साथ मैदान में कूद पड़े। सीने पर गोलियां खाईं। ये तथ्य उस समय की तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में हैं। वही हेमंत करकरे मालेगांव बम विस्फोट कांड की भी जांच कर रहे थे जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक आरोपी थीं। सवाल यही है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुखर विरोध करने वाली पार्टी यहां जान की बाज़ी लगा देने वालों के लिए पूर्वाग्रही कैसे हो जाती हैय और फिर यह कैसा दर्द है जो उन्हीं प्रज्ञा को 2019 में भोपाल से लोकसभा का टिकट दिलवा देता हैए उन्हें सांसद बना देता है। आप कहेंगे कि सांसद तो जनता ने बनाया। उसने जितायाए बेशक जनता जो वोट देती हैए ज़ि मेदार है। यहां इस क्रोनोलॉजी पर भी निगाह डालने की ज़रूरत है कि गुजरात में जो बिलकिस बानो दंगों के दौरान बलात्कार और परिजनों की हत्या का शिकार होती हैं उसके सजाया ता अपराधी रिहा कर दिए जाते हैं और जो सांसद कहती हैं कि श्अपनी बेटियों को सुरक्षित रखोए अपनी बेटियों को संस्कारित करोए अपने घर में हथियार रखोए कुछ नहीं तो सब्जी काटने वाला चाकू ज़रा तेज रखो! स्पष्ट बोल रही हूं कि हमारे घरों में भी सब्ज़ी काटने के लिए जो चाकू है उसे तेज़ रखो। जो सब्जी अच्छे से कटेगी तो दुश्मनों के सर भी अच्छे से कटेंगे।

उन्होंने हमारे कार्यकर्ताओं को चाकू से गोदा हैण्ण्ण।श् सरेआम हिंसा के लिए उकसाने वाले इस वक्तव्य में एक और बात अन्तर्निहित है कि अगर लड़कियां कभी अपने मन की करें तो उन्हें रोकने में आप हिंसा करने में ज़रा भी संकोच ना करें। इस तरह के धारदार चाकू दुश्मनों पर कितने चल रहे हैं उसका तो आंकड़ा फ़िलहाल नहीं है लेकिन प्रेम करने वाली लड़कियां मारी जा रही हैंए काटी जा रही हैं और इतने संताप में हैं कि खुदकुशी भी कर रही हैं। हाल ही में एक अभिनेत्री की आत्महत्या की वजह उसका वह रिश्ता था जिसमें श्रद्धा और आफ़ताब के प्रकरण का डर बैठने के बाद उनके रिश्ते में तनाव आ गया था। ऐसे उकसाने वाले भाषणों से परिवार और समाज में लड़कियों का जीना मुश्किल हो रहा है।

ऑनर किलिंग के नाम पर परिवार अपने बच्चों के साथ हिंसा से भी नहीं चूक रहे। व्यवस्था न केवल चुप रहकर सब देख रही है बल्कि बीच.बीच में ताली भी पीट देती है। यह हरकत किसी के दर्द में ढोल बजाने से भी बुरी मालूम होती है। बाईस साल की निरुपमा पत्रकार थी और प्रियभान्शु रंजन नाम के हमपेशा लड़के को हमसफ़र बनाना चाहती थी। लड़की ब्राह्मण और लड़का कायस्थ। दोनों दिल्ली में थे। छोटे शहरों से झोला उठाकर चलने वाले लड़के.लड़कों में माता.पिता तमाम वाब भर देते हैं लेकिन उसका अहम हिस्सा अपने कब्ज़े में रखना चाहते हैं। खूब पढ़ोए अच्छा जॉब चुनोए ज्यादा कमाओ लेकिन जीवनसाथीघ् वह मत चुनो। बेटी को खुला आसमान देने वाले पढ़े.लिखे अभिभावक भी यहां पहुंचकर उनके पंख कतरना चाहते हैं। झुमरीतलैयाए बिहार की निरुपमा के साथ भी यही हुआ।

पुलिस ने परिजनों को गिर तार करते हुए आरोप लगाया कि उसने खुदकुशी नहीं कीए उसकी गला दबाकर हत्या की गयी थी। वह दस ह ते के गर्भ से थी। दरअसलए हर मध्यमवर्गीय भारतीय परिवार बच्चों की शादी के ज़रिये यह साबित करते हैं कि हमारे बच्चों पर हमारी कितनी नकेल है। अपने बच्चों को जी.जान से पालने वाले आखिर इतने कटु और स त क्यों हो जाते हैंघ् इसलिए क्योंकि नेता और इनकी व्यवस्था इन बच्चों की रक्षा करने का आश्वासन नहीं देतीघ् सब जानते हैं कि विशेष विवाह अधिनियम कमज़ोर किया जा रहा है।

इस हिंसा को उकसाते हुए सभी लड़कियों के साथ लड़कों की भी सुरक्षा भूल रहे हैं या इन अपराधों से आंखें मूंदे हुए हैं। बलात्कार के चालीस फीसदी केस वास्तव में बलात्कार के नहीं होते। ये वे मामले हैं जिनमें परिवार उन पुरुषों को बलात्कार के इल्ज़ाम में मुकदमे दायर करता है जिनसे परिवार की बेटियां या तो शादी कर चुकी होती हैं या करना चाहती हैं। परिवार हर कीमत पर इन शादियों को निरस्त कर लड़की को बरामद करना चाहते हैं और लड़कों को सलाखों के पीछे डालना चाहते हैं। ये लड़कियां कभी घरों में कैद कर दी जाती हैं तो कभी नारी निकेतनों में। यह सोच ही बहुत बचकानी है कि लड़कियां सुरक्षित हो जाएंगी। वह परिवार जिसका बेटा महज़ प्रेम करने के जुर्म में बलात्कार या अपहरण की सज़ा भुगत रहा होगा क्या वह चैन से जी सकता हैघ

भीड़ को उकसाने वाले इसका जवाब देंगे। कैसा अकेला और डरा हुआ समाज होगा वह जहां प्रेम और सद्भाव का पूरी तरह अभाव होगा और हर बेटी के मां.बाप केवल चाकू की धार तेज करने में ही लगे होंगे। जिन विचाराधीन कैदियों से भारत की जेलें भरी पड़ी हैं उनमें बड़ी सं या में ऐसे लड़के हैं और बाहर घुटन में जीतीं वे लड़कियांए समझौते का जीवन गुज़ारती हुई। जात.बिरादरी से दूरी और नफ़रत ने समूचे समाज के सद्भाव में गहरा घाव कर दिया है और ये नेता जब.तब इस घाव को कुरेदते रहते हैं।

हैरत की बात है कि राजनीतिक दल ने घृणा की यह भाषा महिला नेताओं के हिस्से में डाल दी हैए वह भी निर्वाचित नेता के। क्या यह भी सोचा समझा हुआ है कि सद्भावना और प्रेम में यकीन रखने वाली स्त्री के मुख से ऐसी कटु बातें कहलवाई जाएं। भारत की सबसे बड़ी और लोकप्रिय पार्टी को आखिर क्यों इन हिंसक भाषणों का सहारा लेना चाहिएघ् क्या उसे अपनी लोकप्रियता पर शक है या उसकी इस लोकप्रियता का आधार कमज़ोर हैघ् जब सत्ता इस कदर असुरक्षित रहेगी तो नागरिक को उसके सुरक्षित रखने का आश्वासन राज्य की ओर से कैसे दिया जा सकता हैघ् क्या जनता नए साल में अपने लिए कुछ बेहतर और नए की उ मीद कर सकती। फ़ैज़ लुधियानवी का शेर है.

तू नया है तो दिखा सुबह नईए शाम नईए

वरना इन आंखों ने देखे हैं नए साल कई।।

विविध समाचार

आइएएस–आइपीएस बनने का सपना देख रहे छात्रों को मिल गई खुशखबरी, हेमंत सरकार ने कर दी बड़ी घोषणा

रांची १४/११ (संवाददाता): विधानसभा के बजट सत्र में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसं यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रभारी मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि राज्य के आदिवासी छात्रावास में अब मु त खाना मिलेगा। पहले छात्रावास में बच्चे घर से चावल लाते थेए सब्जी आदि खरीदकर खाना बनाते थे। अब ऐसे छात्रावास में खाना फ्री तो होगा हीए रसोइया भी होगा और लाइब्रेरियन भी होगा।

उनकी सरकार 100 लड़का व 100 लड़की को इंजीनियरिंग की कोचिंग कराएगी। आइएएस.आइपीएस के लिए उनकी सरकारी दिल्ली में छात्र.छात्राओं को कोचिंग कराएगी। राज्य में पलामू व रांची में सात तल्ले के छात्रावास का निर्माण कराया जा रहा है। राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों की बहाली कराएगी। इतना ही नहींए एससी.एसटी व ओबीसी को पढ़ाई पर जोर देगी। सरना बाउंड्री व धुमकुड़िया के लिए बजटीय उपबंध किए गए हैं। सरकार के पक्ष में विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ीए सुरेश पासवानए मोह मद तज्जुद्दीनए ममता देवीए लुइस मरांडी व

राधाकृष्ण किशोर ने अपनी बात रखी। वहींए सरकार के विपक्ष में विधायक प्रकाश रामए चतरा से लोजपा के विधायक जनार्दन प्रसादए आजसू विधायक निर्मल महतो आदि चर्चा में शामिल हुए। डुमरी के विधायक जयराम महतो भी चर्चा में शामिल हुए और अपनी बात रखी। गांडेय से झामुमो की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि विभाग का नाम कल्याण क्यों है। कल्याण विभाग का नाम बदलकर अधिकार विभाग रखा जाए। कल्याण हमें शासक व दास का बोध कराता है। यहां न कोई शासक है और न हीं कोई दास। आरक्षण आदिवासियों का अधिकार है।

कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार ने 24 वर्ष में पहली बार राज्य की बच्चियों व महिलाओं के लिए योजना लाई। यह मु यमंत्री हेमंत सोरेन की सोंच है। राज्य की जनता व मंइयां ने सच का साथ दिया। सरकार अपना वादा पूरा कर रही है। राज्य में 32 लाख से अधिक महिलाओं.बच्चियों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। वह दिन दूर नहींए जब सोना अबुआ झारखंड का सपना साकार होगा। भाजपा विधायक पूर्णिमा साहू ने सदन में चर्चा के दौरान कहा कि जनता ने जिस भरोसे के साथ इस सरकार को सत्ता सौंपी हैए वही सरकार उनके सपनों को कुचल रही है।

ये झूठ परोसने का काम कर रहे हैं और राज्य की जनता ठगा महसूस कर रही है। पूर्णिमा ने संताल में लव एंड लैंड जिहाद पर सरकार को सुझाव दिया कि आदिवासी बच्चियों की संपत्ति पति का नाम पर स्थानांतरित न होए इसके लिए कानून बनना चाहिए। शासन व प्रशासन को संवेदनशील होकर काम करने की जरूरत है। राज्य सरकार के मंइयां स मान योजना पर पूर्णिमा ने कहा कि चुनाव के पूर्व सरकार ने 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को इस योजना का लाभ देने का वादा किया था। इसके तहत 2500 रुपये दिए जा रहे हैं। राज्य में इस उम्र वर्ग की 70 लाख महिलाएं हैं। सरकार ने इस योजना में शर्तों को जोड़.जोड़कर लाभुकों की सं या घटा दी। चुनाव में पूर्व जहां 57 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा थाए अब घटकर 30 से 35 लाख लाभुक महिलाएं बच् गई हैं। 450 रुपये में गैस सिलिंडर का वादा पूरा नहीं हो सका। यह जनता के साथ धोखा है। विधायक पूर्णिमा साहू ने पूर्व की रघुवर सरकार के कार्यकाल में किए गए कार्यों का उल्लेख किया और बताया कि इस सरकार से बेहतर कार्यकाल था रघुवर दास का।

मध्याह्न भोजन में मिला मृत गिरगिट, 65 छात्र बीमार

दुमका १४/११ (संवाददाता): झारखंड के दुमका जिले में शुक्रवार को मध्याह्न भोजन खाने के बाद एक सरकारी स्कूल के कम से कम 65 छात्र बीमार हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भोजन में कथित तौर पर एक मृत गिरगिट पाया गया। यह घटना टोंगरा क्षेत्र के एक स्कूल में घटी। प्रखंड विकास अधिकारी ;बीडीओद्ध अजफर हुसैन ने बताया कि भोजन खाने के बाद छात्रों को उल्टी होने लगीए जिसके बाद उन्हें मसलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने कहाए मध्याह्न भोजन में एक मरा हुआ गिरगिट मिला है। टोंगरा थाना प्रभारी गुरुचरण मांझी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

आज का राशिफल

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन–देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख– शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन–मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार–धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद– उत्साह और तन–मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

मंईयां सम्मान योजना पर भाजपा विधायक नीरा यादव ने हेमंत सरकार को दिया ये आइडिया, दूर हो जाएगी बड़ी दिक्कत!

रांची १४/११ (संवाददाता): भाजपा विधायक नीरा यादव ने विधानसभा में कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत विधानसभा चुनाव से पहले तीन महीने की राशि बगैर सत्यापन के दे दी गई और अब सत्यापन के नाम पर महिलाओं के नाम काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्यापन होना चाहिएए लेकिन जरूरतमंद महिला इसके लाभ से वंचित न होंए इसे भी सरकार सुनिश्चित करे। उन्होंने शिविर लगाकर सत्यापन का कार्य त्वरित ढंग से करने का सुझाव दिया। जवाब में प्रभारी मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि इसमें सुधार करने का प्रयास किया जाएगा। इधरए राज्य सरकार ने बिजली ट्रांसफार्मर खराब होने पर 24 घंटे के भीतर उसे दुरुस्त करने या बदलने की अनिवार्यता लागू की है। इस अवधि में ट्रांसफार्मर नही बनने पर प्रभावित उपभोक्ताओं को

25 रुपये की दर से हर्जाना देने का प्रविधान हैए लेकिन 2015 में लागू इस नियम के तहत संबंधित मामले में निर्धारित अवधि में ट्रांसफार्मर दुरुस्त नहीं होने या नहीं बदलने पर किसी लाभुक को हर्जाना नहीं दिया जा सका। प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गुरुवार को विधानसभा में गढ़वा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के सवाल पर इसे स्वीकार करते हुए कहा कि कोई दावा या आपत्ति ही नहीं आई।

उन्होंने कहा कि दावा करने पर हर्जाना मुहैया कराए जाने की पहल की जाएगी। विधायक ने आरोप लगाया कि इतना गंभीर विषय होने के बाद भी मंत्री सदन को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री ने जवाब में कहा कि ट्रासफार्मर खराब होने पर निर्धारित समय पर दुरुस्त करने का प्रयास किया जाएगा।

कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि उनके विभाग ने माडल कोल्ड स्टोरेज के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके लिए वित्त विभाग से राशि की मांग की गई है। वित्त की स्वीकृति मिलने के बाद इस योजना को लागू किया जाएगा। उन्होंने झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू के एक सवाल पर यह जवाब दिया। झारखंड सरकार राज्य के जल नीति की समीक्षा करेगी। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पूर्वमंत्री डॉण् रामेश्वर उरांव के ध्यानाकर्षण सूचना के जवाब में मंत्री हफीजुल हसन ने यह जानकारी दी।

उरांव ने जल संसाधन आयोग बनाने की पूर्व की घोषणा का हवाला देते हुए कहा कि वे पूरे मन से सरकार को आधा आशीर्वाद देंगेए क्यों सरकार ने घोषणा तो कीए लेकिन इसे पूरा नहीं किया। राज्य सरकार को पानी प्रबंधन का उपाय करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़ी सिंचाई परियोजनाओं की बजाय लघु सिंचाई परियोजना पर राज्य सरकार फोकस करे। इस संदर्भ में स्वर्णरेखा परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह वर्ष 1978 में आरंभ हुआ था। अभी भी काम जारी है। बड़े प्रोजेक्ट का खर्च अधिक होता है। परियोजनाएं लेते समय कमांड एरिया को लेकर बड़ी बातें होती हैए लेकिन आधा भी पूरा नहीं होता। नहर में गाद आ जाता है तो वह आधा भी खत्म हो जाता है। गाद की सफाई की जाए। सरकार सीमांत किसानों के लिए कुंआ बनाए। मंत्री ने कहा कि झारखंड हिल एरिया लि ट इरिगेशन ;झालकोद्ध को फिर से जीवित करेंगे।सरकार जल नीति की समीक्षा करेंगे। राज्य सरकार बिहार उद्योग निगम ;बीएसआइडीसीद्ध की परिसंपत्ति के बंटवारे के लिए गंभीरता से पहल करेगी। निरसा के भाकपा माले विधायक अरूप चटर्जी के सवाल के उत्तर में मंत्री संजय प्रसाद यादव ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में है। राज्य सरकार ने अपना पक्ष बेहतर तरीके से रखने के लिए विशेष अधिवक्ता की प्रतिनियुक्ति की है।

रिम्स में हाउस सर्जन से लिफ्ट में छेड़छाड़, छात्रा ने हिमत दिखाकर आरोपी को कराया गिरफ्तार

रांची १४/११ (संवाददाता): कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म के बाद महिला डॉक्टर की हत्या की घटना को लेकर देशभर के चिकित्सकों के साथ राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान ;रि सद्ध रांची के चिकित्सक भी सुरक्षा की मांग को लेकर आंदोलन में शामिल थे। रि स में चिकित्सकों को सुरक्षा तो नहीं मिली लेकिन एक हाउस सर्जन छात्रा के साथ रविवार सुबह छेड़खानी हो गई। घटना उस समय घटी जब हाउस सर्जन ड्यूटी के लिए लि ट से जा रही थीं।

लि ट में सवार एक युवक ने छात्रा से छेड़छाड़ शुरू कर दी। हालांकिए हाउस सर्जन ने हि मत दिखाते हुए जैसे ही लि ट खुली युवक को पकड़ लिया और शोर मचाने लगी।

इसके बाद युवक को होमगार्ड के जवानों ने दबोच लिया। फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। दूसरी तरफघटना के विरोध में सुरक्षा की मांग को लेकर सभी हाउस सर्जन ने कार्य बहिष्कार कर दिया है। इससे चिकित्सा सेवा प्रभावित है। जूनियर डाक्टरों ने बताया कि आनकोलॉजी विभाग में रविवार की सुबह एक जूनियर रेजिडेंट नान एकेडमिक ;हाउस सर्जन छात्राद्ध जब ड्यूटी पर जा रही थी तो अस्पताल की ही लि ट में उसके साथ छेड़खानी की गई।उसके साथ गंदी हरकत की गई। छेड़खानी करने वाले युवक को पकड़कर इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम भेज दिया गयाए जहां से उसे बरियातू थाना भेज दिया गया।

साथ ही संस्थान की ओर से बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। पुलिस के समक्ष युवक ने अपना नाम कुलदीप कुमार बताया है। वह रांची के कोकर का रहने वाला है। वह अस्पताल में इलाज कराने आया था। पुलिस जांच कर रही है।बरियातू पुलिस के अनुसार आरोपी अपने दांत का इलाज करवाने अस्पताल गया था। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच की जा रही हैए आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई और उसे जेल भेज दिया गया है।हाउस सर्जन ने कार्य बहिष्कार खत्म करने के लिए तीन मांगें रखी हैं। इसके बाद प्रबंधन की ओर से उनकी मांगें मान ली गईंए लेकिन आनकोलॉजी विभाग में पुरुष गार्ड को बढ़ाने को लेकर मामला फंसा हुआ है। इसमें हाउस सर्जनों ने महिला से अधिक पुरुष गार्ड की तैनाती कराने की मांग रखी है।एक मरीज एक स्वजन नीतिए जिस पर पहले ही चर्चा हो चुकी है और अभी भी सभी विभागों में लागू नहीं की गई है। इसे लागू करना।

गार्डों की सं या बढ़ानाए क्योंकि वर्तमान सं या अपर्याप्त हैए कम से कम 4 गार्डए प्रत्येक वार्ड में 2 ;वर्तमान में 1 गार्ड ग्राउंड मेंए 1 ओपीडी में और 1 तीसरी मंजिल.आनकोलाजी वार्ड में तैनात हैद्ध।

अवैध कोयला परिवहन का एक बड़ा मामला सामने आया

लातेहार १४/११ (संवाददाता): जिले में अवैध कोयला परिवहन का एक बड़ा मामला सामने आया है। रविवार की सुबह डीटीओ सुरेंद्र कुमार धर्मपुर मोड़ पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। उन्होंने हाइवा को रोकने की कोशिश की। लेकिन चालक तेज गति से भागने लगा और सदर थाना क्षेत्र के मुन्ना ड्रेसेज के पास एक हाईवा नाली में फंस गया। वहीं चालक मौके से फरार हो गया। जिला खनन निरीक्षक पद्मलोचन ओहदार की जांच में पता चला कि हाइवा में लदे कोयले का झारखंड में कहीं से भी चालान जारी नहीं हुआ था।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

राउरकेला, शनिवार 15 नवंबर 2025

नुआपाड़ा उपचुनाव में भाजपा की जीत, जय ढोलकिया भारी अंतर से जीते

नुआपाड़ा १४/११ (संवाददाता): नुआपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार जीत दर्ज की और ओडिशा में पहली बार सरकार बनाने के बाद एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। पार्टी उमीदवार जय ढोलकिया ने 83,748 मतों के भारी अंतर से यह सीट जीत ली और अपने दिवंगत पिता राजेंद्र ढोलकिया द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली सीट पर फिर से कब्ज़ा कर लिया। जय ढोलकिया को 1,23,869 वोट मिले, जो उनके पिता की 2024 की जीत की सं या से 62,047 से ज़्यादा वोटों से ज़्यादा है। राजेंद्र ढोलकिया ने पिछले विधानसभा चुनाव में बीजद के टिकट पर यह सीट जीती थी।बीजू जनता दल (बीजद) के लिए एक आश्चर्यजनक झटका यह रहा कि 2024 में इस सीट पर कब्ज़ा करने वाली पार्टी तीसरे स्थान पर खिसक गई। उसकी उ मीदवार स्नेहांगिनी छुरिया को केवल 38,408 वोट ही मिले। कांग्रेस, जिसने 2024 में कड़ी टक्कर देने वाले निर्दलीय उ मीदवार घासीराम माझी को मैदान में उतारा था, 40,121 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रही। जीत के बाद जय ढोलकिया ने कहा, मैं आज शाम मु यमंत्री मोहन चरण माझी से मिलने भुवनेश्वर जाऊँगा। शनिवार सुबह उनके पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने की भी उ मीद है। नुआपाड़ा उपचुनाव में कुल 14 उ मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिनमें नौ निर्दलीय उमीदवार थे। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, 11 नवंबर को हुए चुनाव में 83.45 प्रतिशत मतदान हुआ था। 8 सितंबर को मौजूदा विधायक राजेंद्र ढोलकिया के निधन के बाद यह उपचुनाव कराना पड़ा, जिससे नुआपाड़ा सीट खाली हो गई।

मवेशी तस्करों ने की गोलीबारी, एक घायल

केंद्रपाड़ा १४/११ (संवाददाता): केंद्रपाड़ा ज़िले के सदर थाना अंतर्गत नारनपुर इलाके में गुरुवार देर रात संदिग्ध पशु तस्करों की गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। मृतक की पहचान पास्ता गाँव निवासी अक्षय दास के रूप में हुई है, जिसके बाएँ पैर में गोली लगी है। सूत्रों के अनुसार, सुबह लगभग 3 बजे, स्थानीय युवकों के एक समूह ने गंडकिया चौक पर कथित तौर पर मवेशियों की ढुलाई में लगे एक वाहन को रोका। युवकों ने पहले भी इसी वाहन के अवैध पशु परिवहन में इस्तेमाल होने पर आपत्ति जताई थी। जब समूह वाहन से पूछताछ कर रहा था, तभी उसके पीछे चल रही एक और बोलेरो गाड़ी कथित तौर पर मौके पर पहुँची। दूसरे वाहन में सवार लोगों ने कथित तौर पर युवकों पर हमला कर दिया, जिससे वे अपनी जान बचाने के लिए गाँव के अंदर भागने को मजबूर हो गए। हमलावर, जो कथित तौर पर पशु तस्कर थे, कथित तौर पर गाँव में उनका पीछा करते रहे। घटना के समय, दास गाँव के क्लब हाउस में सो रहे थे। शोर सुनकर, वह बाहर निकले, जहाँ तस्करों ने उन्हें गोली मार दी, जो दूसरों का पीछा करते हुए गाँव में घुस आए थे। गोली उनकी बाएँ पैर में लगी।उन्हें तुरंत जिला मु यालय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। दास ने आरोप लगाया, मैं नारनपुर क्लब हाउस में सो रहा था जब उन्होंने मुझ पर गोली चलाई। एक स्थानीय निवासी ने आरोप लगाया, हम चार लोग थे जब उन्होंने हमें धमकाना शुरू किया। जब उन्होंने बंदूक तान दी तो स्थिति और बिगड़ गई। जल्द ही, लगभग 12 लोगों को ले जा रही एक बोलेरो सहित दो गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने एक निर्दोष व्यक्ति को भी गोली मार दी। घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुँची और गोलीबारी और कथित पशु-तस्करी गतिविधियों की जाँच शुरू कर दी है। अधिकारी आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों की पुष्टि कर रहे हैं।

सांसद आदर्श ग्राम पंचायत में दिशाहीन हुई योजनाएं

राउरकेला १४/११ (संवाददाता): गुरुंडिया ब्लाक के गुरुंडिया पंचायत को सांसद आदर्श ग्राम के रूप में घोषित करने के बाद यहां विकास कार्य शुरू किए गए हैं जिसमें से अधिकतर अधूरे हैं। शिशु उद्यानए स्ट्रीट लाइटए कल्याण मंडप के लिए जगह की पहचान की गई पर काम शुरू नहीं हुआ।

एमसीएल में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु एमसीएल को 'निष्ठा की प्रतिष्ठा' सम्मान मिला

संबलपुर १४/११ (संवाददाता): महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) को राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु 'निष्ठा की प्रतिष्ठा' स मान से समानित किया गया है। यह समान नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक के दौरान प्रदान किया गया। एमसीएल की ओर से यह प्रतिष्ठित स मान अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री उदय अनंत कावले ने माननीय मंत्री से ग्रहण किया। यह उपलब्धि एमसीएल द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रभावी, नवाचार-आधारित एवं तकनीक-समत उपयोग को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए एमसीएल ने कई अभिनव पहलें की हैं।

'कंठस्थ 2.0' पर आधारित कार्यशालाओं के माध्यम से कर्मचारियों को तकनीकी अनुवाद, हिन्दी टाइपिंग तथा डिजिटल कार्यप्रवाह में हिन्दी के उपयोग की व्यावहारिक समझ उपलब्ध कराई जा रही है। कंपनी ने प्रशिक्षण एवं दैनिक कार्यालयी कार्यों में हिन्दी के उपयोग को सरल, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने हेतु डिजिटल उपकरणों एवं माध्यमों का व्यापक क्रियान्वयन किया है।

इसके अतिरिक्त, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), संबलपुर की अध्यक्षता का दायित्व भी एमसीएल के पास है। एमसीएल के नेतृत्व में नराकास, संबलपुर ने संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और प्रकाशनों के माध्यम से हिन्दी के प्रचार-प्रसार को और अधिक सक्रिय, संगठित तथा परिणामोन्मुख बनाया है। यह स मान एमसीएल की राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रतिबद्धता एवं नवाचार-आधारित कार्यशैली का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

कोयला क्षेत्र पर अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक में एमसीएल को मिली प्रशंसा

नई दिल्ली/संबलपुर १४/११ (संवाददाता): महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) को प्रतिष्ठित पुरस्कारों से समानित किया गया है, जो सुशासन, स्वच्छता और सामुदायिक सहभागिता के प्रति एमसीएल के उल्लेखनीय योगदान को दर्शाता हैं। एमसीएल अपने सभी परिचालन क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देने, जन जागरूकता बढ़ाने और लंबित मामलों के कुशल निपटान सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय प्रयासों के लिए विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत विशेष समान प्राप्त हुआ। इस अभियान के तहत, कंपनी ने पारदर्शिता और सेवा दक्षता को मजबूत करने के लिए कार्यस्थल स्वच्छता अभियान, आउटरीच गतिविधियां, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन और जन सहभागिता पहल कीं।

एमसीएल को स्वच्छता पखवाड़ा के लिए तीसरा पुरस्कार भी प्रदान किया गया, जिसमें पखवाड़े भर चले स्वच्छता अभियान के दौरान अपने कमांड क्षेत्रों में चलाए गए प्रभावशाली स्वच्छता अभियानों, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता गतिविधियों, स्कूल में जागरूकता कार्यक्रमों और व्यापक सामुदायिक लामबंदी को मान्यता दी गई। यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित कोयला क्षेत्र की अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक के दौरान प्रदान किए गए, जिसमें माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे उपस्थित थे। एमसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री उदय अनंत काओले ने एमसीएल की ओर से ये स मान प्राप्त किए। ये स मान उत्तरदायी शासन, सतत खनन प्रथाओं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति एमसीएल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

कीचड़ भरे धान के खेत में फंसे 15 दिन के हाथी के बच्चे को बचाया गया

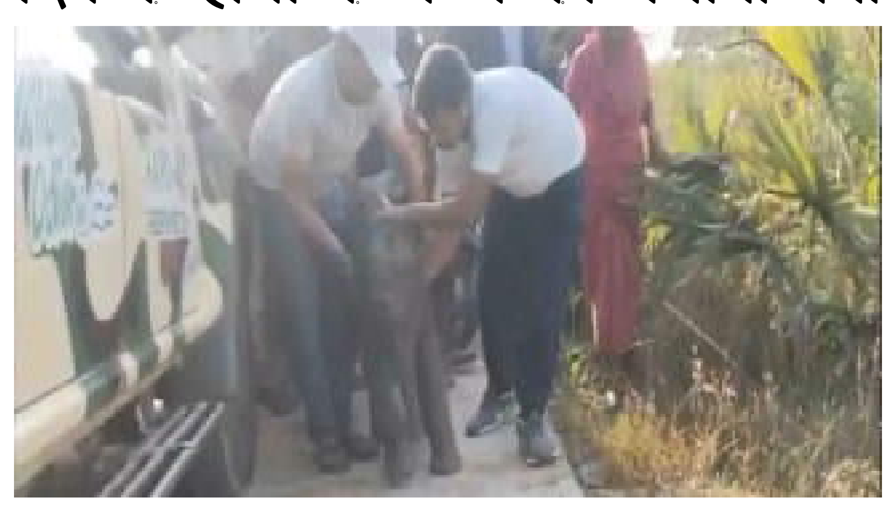

अंगुल १४/११ (संवाददाता): ओडिशा के अंगुल जिले के श्यामसुंदरपुर गाँव के पास भोजन की तलाश में कीचड़ भरे धान के खेत में फँसने के बाद 15 दिन के एक हाथी के बच्चे को बचा लिया गया। बताया जा रहा है कि बछड़े के साथ गया 22 हाथियों का झुंड उसे कीचड़ में फँसाकर भाग गया। बाद में बछड़ा कीचड़ भरे खेत में हिलने-डुलने के लिए संघर्ष करता हुआ पाया गया। रिपोर्टों के अनुसार, सूचना मिलने पर, वन विभाग की अंगुल रेंज टीम मौके पर पहुँची और बछड़े को बचाया। बाद में उसे इलाज के लिए पुरुनागढ़ के पास कुलसिंह नर्सरी में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पूरी रात ठंड में रहने के कारण बछड़ा कमजोर हो गया था। खबर लिखे जाने तक पशु चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा उसे स्वस्थ करने के लिए ग्लूकोज, आईवी ड्रिप और अन्य दवाइयाँ दी जा रही थीं। अंगुल के डीएफओ नितीश कुमार ने कहा कि बछड़े की हालत में लगातार सुधार हो रहा है। हमारे कर्मचारियों ने उसे धान के खेत में पाया और उसे बरामद करने के बाद कुलसिंहा ले गए। ऐसा प्रतीत होता है कि बछड़ा 15 दिन से थोड़ा ज़्यादा का है और नर है। चूँकि वह पूरी रात वहीं फंसा रहा और उसके शरीर का तापमान कम हो गया था, इसलिए उसका इलाज चल रहा है और उसे ग्लूकोज़ व अन्य दवाएँ दी जा रही हैं, लेकिन इलाज के बाद उसकी हालत धीरे-धीरे ठीक हो रही है। उसकी शारीरिक गतिविधियाँ सामान्य हैं और वह चलने में भी सक्षम है, उन्होंने कहा। हाथियों के झुंड के साथ पुनर्मिलन योजना वन अधिकारियों ने बताया कि बछड़े का स्वास्थ्य स्थिर होने के बाद, उसे मंदारगिरी पहाड़ी के पास घूम रहे 22 हाथियों के झुंड के साथ फिर से मिलाने का प्रयास किया जाएगा। जंगल में वापस छोड़े जाने से पहले बछड़े के पूरी तरह ठीक होने को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी की जा रही है।

राउरकेला इस्पात सयंत्र में विश्व गुणवत्ता सप्ताह के आयोजन

राउरकेला १४/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) में विश्व गुणवत्ता सप्ताह-2025 के आयोजन की शुरुआत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए, राउरकेला इस्पात सयंत्र के निदेशक प्रभारी सह अतिरिक्त प्रभार निदेशक प्रभारी, बोकारो स्टील प्लांट, श्री आलोक वर्मा ने कहा, गुणवत्ता मात्रा से ज़्यादा महत्वपूर्ण है। यह सिर्फ़ ज़्यादा काम करने के बारे में नहीं है, बल्कि हर काम को उत्कृष्टता और निरंतरता के साथ करने के बारे में है। यह कार्यक्रम सयंत्र के मेन गेट के पास खूबसूरत शिल्प कोणार्क एन्क्लेव के सुरक्षा, गुणवत्ता और पर्यावरण कॉर्नर में आयोजित किया गया था। इस मौके पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन),श्री तरुण मिश्र, कार्यपालक निदेशक (एम् डी एवं सीए एलओ), श्री बी के गिरि, कार्यपालक निदेशक (संकार्य), श्री विश्व रंजन पलाई, कार्यपालक निदेशक (खान, ओजीओएम, सीएमएलओ), श्री एम पी सिंह, और कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ), श्री सुदीप पाल चौधरी कई मु य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी और इस्पात सयंत्र के कर्मचारी मौजूद थे। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए, श्री वर्मा ने आगे कहा, एक गुणवत्ता वाला उत्पाद हमेशा ज़्यादा लोगों को पसंद आता है, भले ही उसकी कीमत ज़्यादा हो, क्योंकि उसका प्रदर्शन बेहतर होता है और वह ज़्यादा समय तक चलता है। निदेशक प्रभारी ने आरएसपी के सभी लोगों से आपसी विश्वास को मज़बूत करने और हर काम में उत्कृष्टता हासिल करने का आग्रह किया, ताकि आरएसपी सबसे पसंदीदा विकल्प बन सके। इससे पहले, निदेशक प्रभारी ने गुणवत्ता ध्वज फहराया। कर्मचारियों को उड़िया में श्री बिश्वरंजन पालाई, हिंदी में श्री एम पी सिंह और अंग्रेजी में श्री तरुण मिश्र ने गुणवत्ता की शपथ दिलाई। निदेशक प्रभारी और अन्य गणमान्यों ने सप्ताह के आयोजन के उपलक्ष्य में पूर्वायोजित निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं के निर्णायकों को भी स मानित किया गया।

मु य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएँ), श्री आतिश चंद्र सरकार ने सभा का स्वागत किया, जबकि महाप्रबंधक प्रभारी (बीआई, आईईडी एवं एचए), श्री आर के वर्मा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया द्ध उप प्रबंधक (बीई), सुश्री अदिति दास ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली पर पर्चे बांटे गए और सभी ने गुणवत्ता बैज लगाए।

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के क्रय हेतु सीआईएल एवं इसकी सहायक कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/संबंधित सहायक कंपनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी ये क्रय उपलब्ध है।

R-5275